शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 197 | गुवाहाटी | सोमवार, 17 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत टेक्स 2025 एक बड़ा वैश्विक आयोजन 120 से अधिक देश ले रहे ... पेज 2
देश की सुरक्षा व आत्म-सम्मान का मुद्दा व्यक्ति विशेष के सम्मान से अधिक... पेज 3
तमिलनाडु, पुडुचेरी, गोवा से आए धर्मप्रचारकों को पुलिस ने किया दस्तयाब पेज 5
एफआईएच प्रो लीग : भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 3-2 से हराया पेज 7

मुख्यमंत्री ने 564 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, कहा-

असम के भर्ती मॉडल को अन्य राज्यों ने भी अपनाया

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित समारोह में 2023 की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा के 200 सफल उम्मीदवारों को असम सिविल सेवा, असम पुलिस सेवा और अन्य संबद्ध सेवाओं में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसके साथ ही, 363 उम्मीदवारों को पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और सांस्कृतिक मामलों के विभाग में नियुक्त किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अर्जुन पुरस्कार विजेता और ओलंपियन तीरंदाज जयंत तालुकदार को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद का नियुक्ति पत्र भी सौंपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार पहले ही एक लाख नियुक्तियों का लक्ष्य पूरा कर चुकी है और अब 1.5 लाख नियुक्तियों की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस कड़ी में आज 564 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जो प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। **2023 संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों का विभागवार विवरण :** कार्मिक विभाग-43, गृह एवं राजनीतिक विभाग-35, वित्त विभाग-96, आबकारी और कौशल एवं उद्यमिता विभाग-1-1, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सहकारिता, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग-3, श्रम कल्याण विभाग-4, प्राथमिक शिक्षा विभाग-11, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग-73, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग-262, सांस्कृतिक मामले विभाग-28। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, सुशासन और -शेष पृष्ठ दो पर

चुराचांदपुर में सात संदिग्ध केएनए विद्रोही गिरफ्तार

चुराचांदपुर (हि.स.)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के सांगईकोट थाना क्षेत्र के ओल्ड खाऊकुआल गांव के दक्षिणी इलाके में एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 7 संदिग्ध केएनए (कुकी नेशनल आर्मी) कैडरों को हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सैखोगिन हाओकिप (37), डमलेन्मांग मेटे (25), सैखोमांग हाओकिप (25), थंगलमांग हाओकिप (27), जामखोसेई हाओकिप (32), लुंकोलाल खोंगसाई (34) -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौता खंड 6

54 में से 38 सिफारिशों पर सहमति बनी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार और राज्य के प्रमुख छात्र संगठन ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) 1985 के असम समझौते के खंड 6 पर एक उच्च स्तरीय समिति की 54 सिफारिशों में से 38 को लागू करने पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जिसका उद्देश्य राज्य के स्वदेशी लोगों को अधिक सुरक्षा प्रदान करना है। शर्मा ने आसू के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद गुवाहाटी में कहा कि समिति की सभी सिफारिशों में से 52 असम सरकार के दायरे में आती हैं। आज आसू और राज्य सरकार उनमें से 38 सिफारिशों को लागू करने पर सहमत हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 38 सिफारिशों को राज्य के आगामी वार्षिक बजट और भविष्य में लाए जाने वाले विभिन्न कानूनों और अध्यादेशों के प्रावधानों के माध्यम से समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि मार्च और अप्रैल में समिति की शेष 14 सिफारिशों को लागू करने के लिए आसू के साथ आगे चर्चा होगी। हमें उम्मीद है कि उन पर भी सहमति बन जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 38 सिफारिशों में ब्रह्मपुत्र घाटी के सभी स्कूलों में असमिया भाषा को एक विषय के रूप में शामिल करना और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के सभी स्कूलों में असमिया और बोडो भाषाओं को विषय के रूप में -शेष पृष्ठ दो पर

होली से पहले भाजपा नेतृत्व में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को होली से पहले नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बार नया अध्यक्ष दक्षिण भारत से चुने जाने की संभावना है। भाजपा के संविधान के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव है जब कम से कम आधे राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव पूरा हो जाए। अभी तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, और बाकी राज्यों में यह कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। भाजपा दक्षिण भारत में अपने संगठन को मजबूत करना चाहती है, खासकर तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, और आंध्र प्रदेश में। 2024 लोकसभा चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन दक्षिण भारत में -शेष पृष्ठ दो पर

अब से स्कूलों में आठवीं कक्षा तक असम का इतिहास पढ़ाना होगा अनिवार्य : सीएम डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एलान किया कि कक्षा 8 तक स्कूलों में असम का इतिहास अनिवार्य होगा। ब्रह्मपुत्र घाटी के स्कूलों में असमिया भाषा और बीटीआर (बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) में बोड़ो और असमिया भाषा में एक विषय के रूप में पढ़ाई जाएगी। इन सिफारिशों पर गृह मंत्रालय से चर्चा की है। इस विधानसभा सत्र में इन पर विचार किया जाएगा। असम में पहली बार गुवाहाटी से बाहर कोकराझाड़ में विधानसभा का सत्र आयोजित किया जा रहा है। शर्मा ने बताया किअसम इतिहास को पढ़ाना 1 अप्रैल, 2026 से कक्षा आठ तक अनिवार्य कर दिया जाएगा। इसके अलावा असम सरकार के सभी नोटिस बोहाग महीने से अंग्रेजी के साथ-साथ असमिया में भी प्रकाशित किए जाएंगे। इसके साथ ही राज्य भाषा निदेशालय को एक स्वतंत्र निदेशालय बनाया जाएगा। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम की पहली विधानसभा का सत्र राज्य की राजधानी से बाहर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

दिल्ली के सीएम का नाम आज होगा फाइनल 18 को रामलीला मैदान में हो सकती है शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार के गठन को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक 18 फरवरी को नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण हो सकता है। जानकारी के मुताबिक यह समारोह रामलीला मैदान में होगा, जिसमें भाजपा के कई दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे। बता दें, न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि 17 फरवरी को ही भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। रामलीला मैदान नई दिल्ली का एक विशाल मैदान है, जिसमें परम्परागत रूप से रामलीला का आयोजन होता आया है। यह मैदान धार्मिक त्योहारों, प्रमुख राजनैतिक रैलियों/बैठकों, तथा मनोरंजन के कार्यक्रमों के लिए भी उपयोग में लाया जाता है। यह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और दिल्ली गेट के पास स्थित है। यहां पर भारी संख्या में लोग आते हैं। इसकी क्षमता 1 लाख तक है। वहीं माना जा रहा है कि कल के बैठक में किसी बड़े चेहरे के सामने आने की संभावना हो सकती है। लेकिन भाजपा अपने निर्णयों से लोगों को चौंकाने का काम करती रही है, ऐसे में -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस सांसद की पत्नी को लेकर असम में सियासत तेज

गोगोई बोले- केस करेंगे, सीएम शर्मा- हम तैयार

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न से जुड़ा विवाद लगातार बना हुआ है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज रविवार को गौरव गोगोई की ओर से अपनी ब्रिटिश पत्नी से जुड़े विवाद पर कानूनी कार्रवाई किए जाने की उनकी योजना का स्वागत किया और कहा कि राज्य सरकार भी कानूनी कार्यवाही शुरू करने वाली है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश की एक पोस्ट पर जवाब देते हुए सीएम शर्मा ने विपक्ष को उसकी चुनावी हार की याद दिलाई और कहा कि मैं अपने खिलाफ कानूनी कार्रवाई का तहे दिल से स्वागत करता हूं। असल में, असम सरकार भी आज से कानूनी कार्यवाही शुरू करने जा रही है। इससे पहले पूर्व सीएम तरुण गोगोई के बेटे -शेष पृष्ठ दो पर

एलिजाबेथ के वीजा को रद्द करने की मुख्यमंत्री ने दी चेतावनी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार की कैबिनेट बैठक रविवार को संपन्न हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस में इन निर्णयों की जानकारी दी। कैबिनेट की बैठक का सबसे अहम मुद्दा कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अपने मिशन में कामयाब होने का सिर्फ एक ही रास्ता है, किसी भी काम को पूरी लगन के साथ करो।

- अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में लोगों की मौत : असम के मुख्यमंत्री ने जताया दुख

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर -शेष पृष्ठ दो पर

फालतू का है कुंभ, इसका कोई मतलब नहीं : लालू

पटना। आरजेडी चीफ और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने महाकुंभ को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फालतू का है कुंभ, इसका कोई मतलब नहीं है। वहीं, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसे पर उन्होंने कहा कि दुखद घटना घटी है। हम मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। रेलवे की गलती है। रेलवे की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। यह रेलवे का फेल्योर है। रेल मंत्री को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई है जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल है। -शेष पृष्ठ दो पर

प्लेटफॉर्म बदलने से मची भगदड़ : रिपोर्ट

18 लोगों की मौत, परिजनों को मिलेगा 10-10 लाख रुपए का मुआवजा

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात (15 फरवरी) मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई, वहीं करीब एक दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। इस घटना से हड़कंप मच गया। इस घटना की रेल मंत्रालय ने उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है। इस बीच हादसे को लेकर रेल मंत्रालय की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आई है। रेलवे ने माना प्लेटफॉर्म बदलने की घोषणा की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक महाकुंभ के लिए अप्रत्याशित भीड़ आ रही है। इसलिए कई स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था पिछले कई दिनों से की गई है। कल 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर दुखद घटना घटी। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रयागराज एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म 14 पर आने वाली थी। महाकुंभ जाने के लिए यात्री प्लेटफॉर्मपर इंतजार कर रहे थे। गाड़ी आने में अभी कुछ देरी थी। इसी बीच प्लेटफॉर्म 12 पर स्पेशल ट्रेन की घोषणा हुई। इसी दौरान प्लेटफॉर्म 14 सेयात्री प्लेटफॉर्म 12 की तरफ जाने लगे। इससे -शेष पृष्ठ दो पर

सोने की खदान ढहने से 42 लोगों की मौत

माली। माली के पूर्वी इलाके में सोने की एक खदान ढहने से दर्जनों लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। मालियन टेलीविजन और केनीबा जिले के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना केनीबा जिले में हुई। यह इस साल फ्रेंच भाषी पश्चिमी अफ्रीकी देश में दूसरी बड़ी दुर्घटना है। माली, अफ्रीका के शीर्ष तीन सोने के उत्पादकों -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका ने भारत पर चलाया चाबुक

रद्द किया 190 करोड़ रुपए की फंडिंग

वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर चलाया चाबुक चलाया है। एलन मस्क के नेतृत्व वाले विभाग (अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग) ने भारत में *वोटर टर्नआउट* के लिए लक्षित 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 190 करोड़ रुपए) की फंडिंग को रद्द करने की घोषणा की है। अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग) ने एक्स पर कहा कि अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे जिन पर खर्च किए जाने वाले थे, उनमें से सभी को रद्द कर दिया गया है। अमेरिकी विभाग द्वारा रद्द की गई अन्य फंडिंग में और भी कई चीजें शामिल हैं। अमेरिकी विभाग के इस ट्वीट पर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन ? यह निश्चित रूप से भारत की चुनावी प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप है। -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी भाषा संरा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण : यूएन

न्यू यॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि 60 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी इस वैश्विक संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भाषा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने बृहस्पतिवार को अपने परिसर में *बहुभाषावाद और विदेशों में हिंदी का प्रचार* थीम पर आधारित विश्व हिंदी दिवस मनाया। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि भारत का समाज बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक ताने-बाने से बना है। वह इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में शामिल हुई थीं। *मिशन* द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ठाकुर ने बताया कि हिंदी को अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए कई पहल की जा रही हैं और संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसकी महत्ता को स्वीकार किए जाने से यह एक वैश्विक भाषा बनेगी। संयुक्त राष्ट्र में *ग्लोबल कम्युनिकेशंस* की अवर महासचिव मेलिसा फ्लेमिंग ने कहा कि हिंदी 60 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है और यह संयुक्त राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भाषा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने बताया कि हिंदी को अब संयुक्त राष्ट्र की अनौपचारिक भाषाओं की सूची में जोड़ा गया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक समाचार सेवा में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए लगभग 70 लाख डॉलर का योगदान दिया है। कार्यक्रम में कई प्रमुख शिक्षाविदों ने भी भाग लिया और अमेरिका में हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

असम सरकार
क्या कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी आपसे रिश्वत मांग रहा है ?
कृपया हमें सूचित करें
व्हाट्सएप नम्बर 60269 01243
टोल फ्री नम्बर 18003453767
नियंत्रण कक्ष 03612462295
एस. पी (I) 6026903418
एस. पी (IV) 6026903483
एस. पी (LAW) 6026903481
ईमेल complaints.vac@gmail.com
ट्विटर @DIR_VAC_ASSAM
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम गुवाहाटी ७८१०३२
https://dgvigilance.assam.gov.in/
-- Janasanyog /D/12677/24/17-Feb-25

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत टेक्स 2025 एक बड़ा वैश्विक आयोजन 120 से अधिक देश ले रहे भाग : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भारत टेक्स 2025 को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत टेक्स का दूसरा सत्र भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है...भारत टेक्स हमें हमारी परंपरा के साथ-साथ विकसित भारत की भी झलक दिखाता है...हमने जो बीज बोया है, वह बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स 2025 में एक प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें प्रदर्शनी के कई पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत टेक्स एक बड़ा वैश्विक आयोजन है, इसमें 120 अधिक देश भाग ले रहे हैं। बता दें कि, भारत टेक्स 2025 का आयोजन 14-17 फरवरी को भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह

कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही मंच पर लाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि इस आयोजन से टेक्सटाइल सेक्टर में इनवेस्टमेंट एक्सपोर्ट और ओवरॉल ग्रोथ को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है। भारत टेक्स के इस आयोजन में हमारे परिधानों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधताओं के भी दर्शन होते हैं। भारत टेक्स 2025 ने आगंतुकों के अलावा 120 से अधिक देशों के नीति निर्माताओं और वैश्विक सीईओ, प्रदर्शकों, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया है। प्रतिभागियों में अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र निर्माता संघ (आईटीएमएफ), अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (आईसीएसी), यूरेटेक्स, टेक्सटाइल एक्सचेंज और यूएस फैशन इंडस्ट्री एसोसिएशन (यूएसएफआईए) सहित दुनिया भर के 25 से अधिक प्रमुख वैश्विक कपड़ा निकाय और संघ शामिल हैं।

यमुना की सफाई शुरू, कचरा हटाने के लिए नदी में उतारी गई बड़ी मशीनें

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वादे के बाद आज से यमुना नदी की सफाई शुरू हो गई है। रविवार को ट्रैश स्कीमर, वीड हार्वेस्टर और ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट जैसी मशीनों से यमुना नदी की सफाई शुरू की गई। बता दें, पीएम मोदी ने कहा था कि दिल्ली चुनाव जीतने के बाद भाजपा सबसे पहले यमुना नदी की सफाई करेगी। दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय ने यमुना नदी की सफाई की जानकारी देते हुए कहा कि

मुना नदी की सफाई का काम पहले ही शुरू हो चुका है। कचरा निकालने वाली मशीनें, खरपतवार निकालने वाली मशीनें और ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट आज से नदी में सफाई अभियान शुरू कर चुके हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कल मुख्य सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव (आई एंड एफसी) से मुलाकात की और उन्हें तुरंत काम शुरू करने को कहा था। दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय ने आगे बताया कि उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के लिए चार-आयामी रणनीति बनाई गई है। उन्होंने बताया कि पहली रणनीति में, यमुना नदी की धारा में मौजूद कचरा, कूड़ा और गाद को हटाया जाएगा। दूसरी रणनीति में, नजफगढ़ नाले, पूरक नाले और अन्य सभी प्रमुख नालों में सफाई अभियान शुरू किया जाएगा।

पत्नी की हत्या कर पति ने किया आत्मसमर्पण

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के उलुबारी इलाके में एक सनसनीखेज घटना रविवार को सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर खुद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपी की पहचान रुबुल शर्मा के रूप में हुई है। उसकी एक दो साल की बेटी भी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

तिताबर में असम अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण फिल्म महोत्सव की आधारशिला

जोरहाट (हिंस)। तिताबर में दूसरे असम अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। असम फिल्म सोसाइटी के तत्वावधान में और ठेंगाल कछारी स्वायत्त परिषद के सहयोग से यह तीन दिवसीय महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर रविवार को एक गरिमामय वातावरण में महोत्सव की आधारशिला रखी गई। तिताबर के धोलिपथार में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में फिल्म जगत से जुड़े कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे। इसके अलावा, आयोजकों ने महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जनता से सहयोग की अपील की है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू समाज की एकता पर दिया जोर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर दिया क्योंकि यह देश का *जिम्मेदार* समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर पूछते हैं कि हम केवल हिंदू समाज पर ही ध्यान क्यों देते हैं, और मेरा जवाब है कि देश का जिम्मेदार समाज हिंदू समाज है। भागवत ने कहा कि आज कोई विशेष घटना नहीं है। जो लोग संघ के बारे में नहीं जानते, वे अक्सर आश्चर्य करते हैं कि संघ क्या चाहता है। अगर मुझे जवाब देना होता, तो मैं कहता कि संघ हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है, क्योंकि यह देश का जिम्मेदार समाज है। उन्होंने विश्व की विविधता को स्वीकार करने के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं *विविधता में एकता,* लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया - यह स्पष्ट रूप से भगवान राम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया। उन्होंने कहा कि ये विशेषताएं भारत को परिभाषित करती हैं। जो लोग इन मूल्यों का पालन करते हैं, वे हिंदू हैं और वे पूरे देश की विविधता को एकजुट रखते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

असम के भर्ती ...

कुशल प्रशासन की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सुशासन किसी भी प्रशासनिक प्रणाली की नींव होता है और इसकी अनुपस्थिति से सामाजिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले दस वर्षों की शासन नीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आई है और जनता को बेहतर सेवाएं मिल रही हैं। डॉ शर्मा ने पिछले साढ़े तीन वर्षों की सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बड़े पैमाने पर भर्तियों के बावजूद, भर्ती प्रक्रिया में कोई अनियमितता सामने नहीं आई है और न ही कोई मामला कानूनी विवादों में उलझा है। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि असम के भर्ती मॉडल को देश के कई अन्य राज्यों ने भी अपनाना शुरू किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 2047 तक *विकसित भारत* और 2027 तक भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के विजन को दोहराया। उन्होंने नए नियुक्त कर्मचारियों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करने और सुशासन के सिद्धांतों का पालन करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध तीरंदाज जयंत तालुकदार को पुलिस उपाधीक्षक बनाए जाने पर विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने तालुकदार की उपलब्धियों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 2004 के एशियन ग्रां प्री में स्वर्ण, 2006 और 2009 की तीरंदाजी वर्ल्ड कप स्पर्धाओं में जीत, 2005 की विश्व चैंपियनशिप में रजत और 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीता था। 2012 के लंदन ओलंपिक में भी उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार की यह पहल उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मंत्री रंजीत कुमार दास, अतुल बोरा, केशव महंत, जोगेन मोहन, अजंता नेओग, जयंत मल्लबरुवा, नंदिता गार्लोसा, प्रशांत फूकन, कृष्णेंदु पॉल, कौशिक राय, रूपेश गोवाला; सांसद भुवनेश्वर कालिता और बिजुली कालिता मेधी; विधायक पोनाकन बरुवा और धर्मेश्वर कोंवर आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, असम लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष देबराज उपाध्याय, असम पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह समेत कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

चुराचांदपुर में सात ...

और मंगखांगथांग किपजेन (35) के रूप में हुई है। बरामद सामान में 02 एके-47 राइफल, एक 7.62 असॉल्ट राइफल, तीन सिंगल बोर राइफल, 10 एके-47 मैगजीन, 654 जिंदा कारतूस (7.62 मिमी), 19 सिंगल बोर कारतूस, छह मोबाइल फोन, तीन बाओफेंग रेडियो सेट, चार पावर बैंक, एक डायनेमो और बैटरी, तीन खुकरी, तीन मैगजीन पाउच, चार कंधे पर टांगने वाले बैग, एक टॉर्च और एक चार पहिया वाहन (मारुति जिप्सी) शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने सभी आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आशंका है कि वे किसी बड़ी साजिश में शामिल थे।

54 में से 38 सिफारिशों ...

शामिल करना शामिल है। इसी तरह, सभी स्कूलों को कक्षा 8 तक छात्रों को असम के इतिहास और भूगोल के बारे में अनिवार्य रूप से पढ़ाना होगा। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में कुछ ब्लॉकों की पहचान भी करेगी, जहां केवल वे लोग ही जमीन खरीद सकेंगे जो कम से कम तीन पीढ़ियों से या 1951 से वहां रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में इस तरह के प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही केंद्र से उच्च स्तरीय समिति की उन सिफारिशों को लागू करने के लिए त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित करने को कहा है, जो राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती हैं। जुलाई 2019 में केंद्र द्वारा गठित न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब कुमार शर्मा की अध्यक्षता वाली समिति ने फरवरी 2020 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल को अपनी सिफारिशें सौंपी थीं। इसने यह निर्धारित करने के लिए 1951 को कट-ऑफ तारीख निर्धारित की थी कि असमिया कौन हैं (वे लोग जो स्वयं या उनके पूर्वज उस वर्ष राज्य में रह रहे थे)। असमिया कौन है, यह निर्धारित करने के लिए 1951 को कट-ऑफ वर्ष निर्धारित करने के अलावा, समिति की अन्य सिफारिशों में राज्य की संस्कृति, विरासत और भाषाओं की सुरक्षा, नौकरी की सुरक्षा (ग्रेड थ्री और फोर की नौकरियों में 100 प्रतिशत आरक्षण और ग्रेड वन और टू की नौकरियों में असमिया लोगों के लिए 70 प्रतिशत), स्वदेशी लोगों की भूमि की सुरक्षा और स्वदेशी लोगों के लिए संसदीय और विधानसभा सीटों में आरक्षण शामिल हैं। असम समझौता 1985 में केंद्र, अखिल असम छात्र संघ (आसू) और अखिल असम गण संग्राम परिषद (एएजीएसपी) के बीच हस्ताक्षरित एक त्रिपक्षीय समझौता था, जिसने राज्य में छह साल से चल रहे विदेशी-विरोधी आंदोलन को समाप्त कर दिया। समझौते के खंड 6 में कहा गया है कि असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई पहचान और विरासत की रक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए, यथा उपयुक्त, संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक सुरक्षा उपाय प्रदान किए जाएंगे।

होली से पहले ...

अपेक्षा से कम रहा था, जिसे सुधारने के लिए यह कदम उठाया जा सकता है। कर्नाटक में भाजपा की अच्छी पकड़ है, और पार्टी इसे पूरे दक्षिण भारत में विस्तार के लिए एक मॉडल के रूप में देख रही है। तमिलनाडु में के. अन्नामलाई की आक्रामक रणनीति पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो रही है, जिससे दक्षिण भारत से नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना बढ़ गई है। भाजपा के अंदर चर्चा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए दक्षिण भारत से कुछ प्रमुख नेताओं के नाम सामने आ सकते हैं, जिनमें से प्रमुख नाम हैं: **के. अन्नामलाई (तमिलनाडु) :** भाजपा के तेजतर्रार नेता, जो तमिलनाडु में पार्टी के संगठन को आक्रामक रूप से बढ़ा रहे हैं। **बी.एल. संतोष (कर्नाटक) :** राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के रूप में काम कर चुके हैं और दक्षिण भारत की राजनीति को अच्छी तरह समझते हैं। **धर्मेंद्र प्रधान :** (ओडिशा, भले ही तकनीकी रूप से पूर्वी भारत से हैं, लेकिन दक्षिण में भी प्रभाव रखते हैं)। भाजपा नेतृत्व इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने की कोशिश में है। संभावना है कि फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत तक भाजपा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का एलान कर देगी, ताकि आगामी राज्य चुनावों और 2029 की रणनीति को मजबूत किया जा सके। तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि भारत का भविष्य भू-राजनीतिक घटनाओं से निर्धारित होगा और हमें अपने आसपास की वैश्विक घटनाओं से अवगत रहना चाहिए। रविवार को रथिनम टेक पार्क, ईचनारी, कोयंबटूर में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3201 के दो दिवसीय *ब्लॉसम जिला सम्मेलन* के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए अन्नामलाई ने कहा कि भारतीय तकनीक के क्षेत्र में दुनिया भर में दबदबा बनाए हुए हैं। भारतीय युवा भाईचारे और धार्मिकता में विश्वस रखते हैं। रूस और अमेरिका भारत को सैन्य उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारतीय छात्रों को अमेरिका या इंग्लैंड बसने के बजाय अपने देश में सफलता हासिल करनी चाहिए। वह दिन दूर नहीं जब भारतीय छात्र वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छुएंगे। बाद में प्रेस वार्ता में अन्नामलाई ने कहा कि तमिलनाडु में लागू अधिकांश योजनाएं केंद्र सरकार द्वारा दी गई हैं, जिनसे करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद तमिलनाडु को आवंटित फंड ढाई गुना बढ़ गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन यह स्पष्ट बयान देने के लिए तैयार हैं कि कांग्रेस और भाजपा सरकारों के दौरान तमिलनाडु को कितने फंड मिले? अन्नामलाई ने कहा कि डीएमके सरकार के 35 मंत्रियों में से 13 एआईएडीएमके से आए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एआईएडीएमके से आए लोग केवल *डबिंग* कर रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन को ही डबिंग की जरूरत है क्योंकि कई लोग *अरिवालयम* (डीएमके मुख्यालय) से उनकी आवाज में बोल रहे हैं। उन्होंने हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तमिलनाडु में भाजपा सरकार बनेगी, तो इस विभाग में हुए भ्रष्टाचार की जांच होगी और कोई भी दोषी नहीं बच पाएगा। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु में भाजपा का वोट बैंक लगातार बढ़ रहा है, जबकि डीएमके का जनाधार कम हो रहा है। अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार के अनुसार, अमेरिका में 29 लाख भारतीय रह रहे हैं, जिनमें से 7.5 लाख अवैध रूप से रह रहे थे। इन्हें दूसरी बार भारत वापस भेजा गया है। भारतीय सरकार ने कहा है कि हम मानवीय आधार पर उनकी मदद करेंगे। लोगों को अवैध रूप से अमेरिका जाने से बचना चाहिए।

अब से स्कूलों में ...

कोकराझाड़ में आयोजित करने के ऐतिहासिक निर्णय का पुरजोर समर्थन किया है। दोनों ने क्षेत्र के शांतिपूर्ण माहौल को वापस लाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने असम कैबिनेट के फैसले के बारे में बताया कि चुनिंदा राजस्व ब्लॉकों में केवल वे लोग ही जमीन खरीद सकते हैं, जो तीन पीढ़ियों से यानी 1951 से असम (गांव के इलाकों में) में रह रहे हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि 14 अप्रैल से राज्य सरकार असमिया और बंगाली (बराक घाटी में) और असमिया/बोड़ो (बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में) में सरकारी नियम और अधिसूचना प्रकाशित करेगी। ब्रह्मपुत्र घाटी के स्कूलों में असमिया भाषा और बीटीआर (बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) में बोड़ो और असमिया भाषा में एक विषय के रूप में पढ़ाई जाएगी। राज्य कैबिनेट के फैसले के तहत तिवा स्वायत्त परिषद की सीटों की संख्या 36 से बढ़ाकर 42 की जाएगी। बोड़ोलैंड में कैबिनेट ने स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय (निजी) को मंजूरी दी है। इसके साथ ही असम कैबिनेट ने बीटीआर (बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) में 316 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र वाले 8वें राष्ट्रीय उद्यान को मंजूरी दी है। बैठक में पद्मनाथ गोहानीबरुआ की सीट की स्थापना के साथ तेजपुर विश्वविद्यालय में असमिया विभाग खोलने और शिलांग असम विश्वविद्यालय में लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ की सीट के साथ असमिया विभाग खोलने का निर्णय लिया गया। असम में नामघर, सत्र आदि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि संबंधी मामलों के लिए 2,000 नए पद सृजित किए जाएंगे और श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। असम समझौते के अनुच्छेद 6 पर रिपोर्ट सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बिप्लब शर्मा की अध्यक्षता में प्रस्तुत की गई है। अब सरकार ने इस संबंध में बातचीत का रास्ता खोल दिया है। पहले दौर की वार्ता सितंबर में हुई थी और दूसरे चरण की वार्ता आज हुई। उन्होंने कहा कि असम की धरती पर असमियों की संप्रभुता होनी चाहिए। हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक असमिया लोगों की भाषा, संस्कृति, भूमि अधिकार, राजनीतिक अधिकार और आर्थिक अधिकार सुनिश्चित नहीं हो जाते।

दिल्ली के सीएम ...

मुख्यमंत्री के रूप में किसी का नाम कहने-बताने में पार्टी के नेता भी संकोच कर रहे हैं। लेकिन मोटे तौर पर यह अवश्य माना जा रहा है कि भाजपा अपने किसी निचले स्तर के कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाकर यह संदेश देने की कोशिश अवश्य करेगी कि उसकी पार्टी में कोई निचले स्तर का कार्यकर्ता भी सर्वोच्च पद पर पहुंच सकता है। माना यही जाता है कि भाजपा इस वर्ष होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्वांचली समीकरण, पंजाब को ध्यान में रखते हुए पंजाबी-सिख सरदार का समीकरण, पश्चिमी यूपी-हरियाणा-राजस्थान को देखते हुए जाट जैसे समीकरणों को साधने की कोशिश करेगी। एक बेहतर सामंजस्य के साथ वह इन सभी समीकरणों को साधने की कोशिश कर सकती है। दिल्ली में विधानसभा चुनावों के लिए पांच फरवरी को मतदान हुए थे और आठ फरवरी को चुनाव परिणाम आए थे, जिसमें भाजपा ने रिकॉर्ड 48 सीटों पर जीत हासिल कर अकेले दम पर सरकार बनाने लायक बहुमत प्राप्त कर लिया था। परिणाम आने के बाद भी आठ-नौ दिनों तक सरकार न बन पाने को लेकर विपक्षी दलों ने भाजपा की आलोचना भी की थी। मालूम हो कि दिल्ली में भाजपा के जाट चेहरे प्रवेश वर्मा, जिन्होंने नई दिल्ली सीट से केजरीवाल को हराया था, दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता, मालवीय नगर के विधायक सतीश उपाध्याय, शालीमार बाग के विधायक रेखा गुप्ता, जनकपुरी के विधायक आशीष सूद, उत्तम नगर के विधायक पवन शर्मा और घोंडा के विधायक अजय महावर मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल बताए जा रहे हैं। हालांकि अभी तक भाजपा ने कोई फैसला नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व भाजपा विधायकों और पार्टी के आला नेताओं के साथ सीएम पद को लेकर बातचीत कर रहा है और बातचीत के बाद फैसले का एलान किया जाएगा।

गोगोई बोले- केस ...

और सांसद गौरव गोगोई ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि वह इसके खिलाफ जरुरी कानूनी कदम उठाएंगे। तरुण गोगोई ने कल शनिवार को असमिया भाषा में अपनी पत्नी को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा, जिसे उन्होंने फेसबुक पर भी साझा किया। उन्हें आश्वासन दिलाया कि सत्य की जीत होगी। सीएम शर्मा ने कहा कि जब तक हम पद पर हैं, हम राष्ट्र की सुरक्षा की रक्षा करने की अपनी शपथ से बंधे हुए हैं। इसलिए, मैं संबंधित सांसद को भी जल्द से जल्द कोर्ट जाने की सलाह देता हूं ताकि कम से कम इस मुद्दे पर न्यायिक मंच पर चर्चा हो सके। जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में 2026 की शुरुआत में असम में होने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र किया और कहा कि करीब 12 महीनों में राज्य के लोग उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री बना देंगे और उनकी पार्टी को विपक्ष में बैठा देंगे। शर्मा ने इस पर जवाब दिया कि पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला असम के लोग करेंगे। आप नहीं। मैं आपको 2014 से कांग्रेस को मिली अपमानजनक हार की याद नहीं दिलाना चाहता। कांग्रेस सांसद गोगोई पर हमला तेज करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने शनिवार को कहा कि पुलिस की ओर से जल्द मामला दर्ज किए जाने की संभावना है और विपक्षी नेता की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान से संबंधों के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि *पूरे पारिस्थितिकी तंत्र और समर्थकों* को शामिल करते हुए मामले की विस्तृत स्तर पर जांच की जाएगी, क्योंकि इस बात की आशंका जताई जा रही थी कि क्या आईएसआई ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में घुसपैठ करने की कोशिश की थी, जब गोगोई के पिता दिवंगत तरुण गोगोई राज्य के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। इन आरोपों का जवाब देते हुए जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि असम के सीएम और भाजपा ने मेरे सहयोगी गौरव गोगोई को निशाना बनाकर एक क्रूर बदनामी अभियान शुरू किया है। यह सबसे खराब तरह का चरित्र हनन है। इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तुरंत शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि बदनामी अभियान इसलिए चलाया जा रहा है क्योंकि गौरव गोगोई ने जून 2024 में जोरहाट लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी, जबकि असम के मुख्यमंत्री शर्मा और अन्य मंत्री जोरहाट में लगातार डेरा डाले हुए थे और उनके खिलाफ जमकर प्रचार कर रहे थे। इससे पहले शर्मा ने पिछले हफ्ते की शुरुआत में इस मुद्दे पर गौरव गोगोई पर निशाना साधा था। तब उन्होंने कोलबर्न की राष्ट्रीयता की स्थिति का जिक्र करते हुए आईएसआई से संबंधों के आरोपों के बारे में उनसे जवाब मांगा था। साथ ही उन्होंने युवा लोगों के ब्रेनवॉश करने और कट्टरपंथी बनाने के लिए पाकिस्तान दूतावास में ले जाना, और पिछले 12 सालों से भारतीय नागरिकता लेने से इनकार करने जैसे आरोप लगाए। शर्मा ने यह भी आरोप लगाया था कि गोगोई ने ब्रिटिश नागरिक से शादी के बाद संसद में संवेदनशील रक्षा मामलों पर सवाल उठाए थे, इस आरोप को विपक्षी नेता ने *झूठा आरोप* करार दिया। भाजपा ने बुधवार को गौरव गोगोई की पत्नी पर पाकिस्तान और आईएसआई से संबंध रखने का आरोप लगाया था, हालांकि कांग्रेस नेता ने इस आरोप को *हास्यास्पद और मनोरंजक* बताते हुए खारिज कर दिया था।

एलिजाबेथ के वीजा...

पत्नी एलिजाबेथ से जुड़ा रहा। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, गौरव गोगोई की पत्नी के संबंध पाकिस्तान के नागरिक अली शेख से थे, जिसने भारत विरोधी टिप्पणियां की थीं। मुख्यमंत्री ने डीजीपी को निर्देश दिया कि अली शेख के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जाए। इसके अलावा, उसे समर्थन देने वाले व्यक्तियों और संगठनों पर भी जांच के आदेश दिए गए हैं। आरोप है कि अली शेख ने असम में अस्थिरता फैलाने की साजिश रची और भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में जांच के लिए गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ को सहयोग करना चाहिए। साथ ही, उन्होंने गौरव गोगोई से भी जांच में सहयोग करने की अपील की। इसके अलावा, कैबिनेट बैठक में गौरव गोगोई की पत्नी पर वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोप भी लगाया गया। बताया गया कि ब्रिटिश नागरिक होते हुए भी उन्होंने दो लोकसभा चुनावों में प्रचार किया था। इस आधार पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने उनके वीजा को रद्द करने की चेतावनी दी। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को भी सौंपी जा सकती है।

फालतू का है कुंभ...

घायलों का इलाज दिल्ली के लेडी हार्डिंग और एलएनजेपी अस्पताल में चल रहा है। शनिवार रात को यह हादसा प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 16 पर हुआ। मरने वालों में ज्यादार महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। रेल मंत्री ने भगदड़ की हाई लेवल जांच के आदेश दिए हैं। इस भगदड़ में मरने वालों में ज्यादातर लोग बिहार और दिल्ली के रहने वाले हैं। बिहार के 9, दिल्ली के 8 और हरियाणा के 1 व्यक्ति की मौत हुई है। फिलहाल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थिति कंट्रोल में है। हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ को लेकर रेलवे का पहला आधिकारिक बयान सामने आया है। उत्तर रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा कल जब यह दुखद घटना हुई, उस समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 14 पर पटना की ओर जाने वाली मगध एक्सप्रेस और प्लेटफार्म नंबर 15 पर जम्मू की ओर जाने वाली उत्तर संपर्क क्रांति खड़ी थी। इसी दौरान फुट ओवर ब्रिज से प्लेटफार्म नंबर 14-15 की ओर आने वाली सीढ़ियों पर एक यात्री के फिसलकर गिरने से उनके पीछे खड़े कई यात्री इसकी चपेट में आ गए और यह दुखद घटना घटी। एक उच्च स्तरीय समिति इसकी जांच कर रही है। कोई भी ट्रेन रद्द नहीं की गई थी और ना ही किसी ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदला गया था। अब प्लेटफॉर्म पर स्थिति सामान्य है। सभी ट्रेनें अपने सामान्य समय पर चल रही हैं।

प्लेटफॉर्म बदलने से ...

सीढ़ियों पर भगदड़ मची और दर्दनाक हादसा हुआ। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घटना पर दुख जताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया था। उन्होंने कहा था कि रेलवे द्वारा उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए है। बताया जा रहा है कि हादसे की जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी बनाई गई है जो इसकी जांच कर रही है। उधर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुई भगदड़ की घटना में 18 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का एलान किया है। इन सबके अलावा दिल्ली पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब कुछ यात्री फुटओवर ब्रिज से उतरते समय फिसलकर दूसरों पर गिर गए। एक अधिकारी ने बताया कि जब प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन अपने प्रस्थान का इंतजार कर रही थी, तब प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर कई लोग मौजूद थे। उन्होंने यह भी बताया कि दो अन्य ट्रेनें, स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस, देरी से चल रही थीं और इन ट्रेनों के यात्री भी प्लेटफॉर्म नंबर 12, 13 और 14 पर मौजूद थे। भगदड़ तब हुई जब यात्री प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर प्रयागराज (जहां महाकुंभ आयोजित किया जा रहा है) जाने वाली ट्रेन में चढ़ने के लिए दौड़ पड़े। रेलवे ने रविवार को भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। रेलवे ने कहा कि गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए दिए जाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सोने की खदान ...

में से एक है। मालियन टेलीविजन ने शनिवार देर रात दबिया के बिलाली कोटो में खदान ढहने की घोषणा की, जिसमें 42 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। केनीबा के राज्याधिकारी ने घटना की पुष्टि की। मोहम्मद डिको ने रविवार को बताया कि 42 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। समुदाय के नेता फलाये सिसोको ने कहा कि यह दुर्घटना कल (शनिवार को) हुई। यह चीनी नागरिकों द्वारा संचालित जगह पर हुआ भूस्खलन था।

रद्द किया 190 करोड़ ...

इससे किसे लाभ होता है? निश्चित रूप से सत्तारूढ़ दल को नहीं! भारत के अलावा अन्य देशों के वोटर टर्नआउट फंडिंग में भी कटौती की है। बांग्लादेश के लिए 29 मिलियन डॉलर के अनुदान में कटौती की गई है। एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग ने विदेशी सहायता निधि में 723 मिलियन की कटौती करने की घोषणा की है। विदेश फंडिंग को रद्द करने या उसमें कटौती का उद्देश्य सरकारी लागतों में भारी कटौती करना है। डीओजीई ने पिछले कुछ हफ्तों में सरकारी खर्च में महत्वपूर्ण बदलावों की रूपरेखा तैयार करना जारी रखा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने मस्क के साथ बैठक भी की थी। दोनों के बीच कई मुद्दों पर बातचीत हुई। पीएम मोदी और मस्क ने इनोवेशन, स्पेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सतत विकास में भारत और अमेरिका की संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान डीओजीई के प्रमुख मस्क के साथ उनके तीन बच्चे भी थे।

रेलवे स्टेशन पर भगदड़ ...

शनिवार रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर लिखा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की भयावह खबर से मैं अत्यंत व्यथित हूं। असम के लोगों की ओर से, हम भगदड़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। प्लेटफॉर्म संख्या 14 और 15 पर प्रयागराज (जहां महाकुंभ का आयोजन किया गया है) जाने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि मृतकों या घायलों में कोई असम का निवासी शामिल है या नहीं।

देश की सुरक्षा व आत्म-सम्मान का मुद्दा व्यक्ति विशेष के सम्मान से अधिक महत्वपूर्ण : भाजपा

पाकिस्तान से रिश्तों के मुद्दे को नकार नहीं पा रहे हैं कांग्रेस नेता गौरव गोगोई : रंजीव कुमार शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा के प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा ने देश की सुरक्षा और आत्म-सम्मान का मुद्दा जोरहाट के सांसद एवं लोकसभा के उप नेता गौरव गोगोई के व्यक्तिगत सम्मान से अधिक महत्वपूर्ण है। रविवार को भाजपा के प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा यहां पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि गौरव गोगोई का कहना कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से सोची समझी साजिश के तहत उनका सम्मान धूमिल किया गया है। यह गलत आरोप है। उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्रालय के नियमों का उल्लंघन करते हुए दिल्ली स्थित पाक दूतावास के साथ गुप्त संबंध बनाए रखकर और देश की सुरक्षा बलों के खिलाफ उत्तेजक बयान देकर गौरव गोगोई देश की समग्र सुरक्षा प्रणाली को अस्थिर करने के षडयंत्र में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के हर सदस्य के लिए देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत सम्मान से अधिक महत्वपूर्ण है। भाजपा प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि गौरव गोगोई ने स्वयं इन आरोपों को अपने शब्दों के साथ स्वीकार किया है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस मुद्दे पर गहराई से विचार-विमर्श करने के बदले प्रदेश कांग्रेस के नेता गौरव गोगोई को खतरे में देख मजा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से कई सवालों के जवाब देने की सार्वजनिक अपील की थी। मुख्यमंत्री के सवालों के सीधे जवाब न देते कर गौरव गोगोई और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने ऐसे बयान दिए, जो इस मुद्दे से *कोई संबंध नहीं रखते* हैं। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता ने कहा कि गौरव गोगोई ने ऐसी असंगत और लापरवाही भरी बातें कहकर अपने उपर लगाए गए हर आरोप का खंडन किया है। उल्लेखनीय है कि सांसद ने पाकिस्तानी मूल के संगठनों और दिल्ली में पाक दूतावास के साथ संबंधों का हवाला देते हुए लगाए गए आरोपों को खारिज करने में सांसद गोगोई असमर्थ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष समेत अधिकांश नेताओं ने गौरव गोगोई के पाक संबंधों पर कोई गंभीर प्रतिक्रिया नहीं देखी है।

बिलासीपाड़ा के थाना प्रभारी का दंडात्मक तबादला

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह ने बिलासीपाड़ा के थाना प्रभारी टुगुल बोड़ो का दंडात्मक तबादला करने का आदेश दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक डंपर चालक को हिरासत में लेने के बाद रिश्वत लेकर छोड़ दिया। उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी को एक डंपर चालक को बिलासीपारा पुलिस ने हिरासत में लिया था और कथित रूप से शारीरिक उत्पीड़न किया। बाद में थाना प्रभारी पर उसे छोड़ने के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगा। मामला उजागर होने के बाद चालक ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। घटना सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने तुरंत टुगुल बोड़ो का तबादला कर दिया। उन्हें धुबड़ी पीआई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, दिगंत बोरा को बिलासीपारा थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में शामिल एक अन्य व्यक्ति की तलाश भी शुरू कर दी है। स्थानीय संगठनों ने आरोपी अधिकारी के निलंबन की मांग की है।

लैपटॉप चोरी मामले में नगद धन समेत तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने लैपटॉप चोरी मामले की गुत्थी को महज 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए तीन चोरों को भारी मात्रा में नगद धन समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बीती रात थाना क्षेत्र के विष्णु राभा पथ इलाके में रहने वाले कंचन माला सिन्हा के घर से चोरों ने लैपटॉप चुरा लिया था। घटना के संबंध में वशिष्ठ थाने में 105/2025 नंबर का मामला दर्ज कराया गया था। दर्ज प्राथमिक के आधार पर पुलिस चोरी की गुत्थी को महज 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए दो चोर श्याम दलोई और नीतू मेधी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों आरोपी चोरी के लैपटॉप को सोनपुर के शरबत माला की दुकान में बेचा था। शरबत माला की दुकान से पुलिस ने अभियान के दौरान नगद 5 लाख 60 हजार रूपए के अलावा 17 चोरी के मोबाइल फोन और तीन लैपटॉप जब्त किया है। पुलिस इस मामले में लैपटॉप खरीदने वाले दुकानदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हाल में ही वशिष्ठ पुलिस चोरी और डकैती में शामिल 65 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस लैपटॉप चोरी मामले में शामिल तीनों चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

असम कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार की कैबिनेट बैठक रविवार को आयोजित हुई, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। बैठक में *चिकला जलाओ* को असम का आठवां राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया। यह उद्यान रायमना और मानस राष्ट्रीय उद्यान के बीच स्थित है। इसके अलावा, ब्रह्मपुत्र घाटी में असमिया भाषा को अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। अब सरकारी निर्देश अंग्रेजी के साथ-साथ असमिया में भी जारी किए जाएंगे। अप्रैल से सभी अधिसूचनाएं दोनों भाषाओं में प्रकाशित की जाएंगी। कैबिनेट ने राभा हसोंग स्वायत्त परिषद के चुनाव अप्रैल में कराने का निर्णय लिया, साथ ही तिवा स्वायत्त परिषद के सदस्यों की संख्या 36 से बढ़ाकर 42 करने को मंजूरी दी। इसके अलावा, बोड़ोलैंड और मिसिंग स्वायत्त परिषद के चुनाव सितंबर में कराने का निर्णय लिया गया। हाल ही में गठित तीन स्वतंत्र सरकारी विभागों के लिए बजट तैयार करने की भी मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने कार्बी आंग्लांग में एक सौर उद्यान के निर्माण को स्वीकृति दी, साथ ही जागीरोड और रोहा के बीच एक औद्योगिक पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया। इसके अलावा, बैठक में सांसद गौरव गोगोई की पत्नी की गतिविधियों को लेकर भी प्रस्ताव पारित किया गया।

बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय बौद्धिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और नवाचार में दे रहा योगदान : राज्यपाल

बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि वर्ष 2009 में स्थापित बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जो बौद्धिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और नवाचार में अहम भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने आज कोकराझाड़ में विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने 15 वर्षों की अवधि में उच्च शिक्षा, शोध और विकास में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) के लोगों के शैक्षणिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण एवं नवाचार में इसके योगदान की सराहना की। राज्यपाल ने इस अवसर पर डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करना छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव है। उन्होंने छात्रों से अपनी शैक्षणिक यात्रा को संजोने का आग्रह किया, क्योंकि उनकी डिग्री न केवल उनके व्यक्तिगत विकास का प्रतीक है, बल्कि उन्हें अपने समाज पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ने का अवसर भी प्रदान करती है। राज्यपाल ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर बल देते हुए छात्रों से बदलते समय के साथ खुद को ढालने, सीखने और जीवनभर आगे बढ़ने की क्षमता विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि डिग्री प्राप्त करने के साथ-साथ छात्रों की जिम्मेदारी भी बढ़ती है और उन्हें समाज को कुछ लौटाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से समाज को सशक्त बनाने और योग्य मानव संसाधन विकसित करने में योगदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल ने बोड़ो भाषा, साहित्य और संस्कृति की समृद्धि की सराहना करते हुए कहा कि बोड़ो भाषा और साहित्य ने भारत की विशाल साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर उन्होंने गुरुदेव कालीचरण ब्रह्म और बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान केवल तथ्यों का संकलन नहीं है; यह प्रगति की कुंजी है और वही आधार है जिस पर सभ्यताएं स्थापित होती हैं। उन्होंने भगवद गीता और ऋग्वेद का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान मानव सभ्यता का सार है, जो व्यक्तियों को सशक्त बनाता है और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने छात्रों को विभिन्न रूपों में ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया, जिसमें व्यावहारिक ज्ञान, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक जागरूकता शामिल हैं। स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में पूर्ण है, और शिक्षा उस पूर्णता को प्रकट करने का माध्यम है। उन्होंने छात्रों से शिक्षा के प्रति समर्पित रहने और इसके माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने का आग्रह किया। बदलते ज्ञान परिदृश्य पर बोलते हुए, राज्यपाल ने प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक उन्नति के एकीकरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति 21वीं सदी की पहली समग्र नीति है, जो प्राचीन ज्ञान और आधुनिक शिक्षा को संतुलित करने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि यह नीति भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति में बदलने में सहायक होगी। राज्यपाल ने कौशल विकास, अनुसंधान और नवाचार के महत्व को भी रेखांकित किया और छात्रों से जीवनभर सीखने की प्रवृत्ति अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि दीक्षांत समारोह में कुल 16,494 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई, जिसमें 79 पीएचडी, 7 एमफिल और 55 स्वर्ण पदक शामिल हैं। इस अवसर पर बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोड़ो, बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीएल आहूजा, संकाय सदस्य, छात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कोकराझाड़ में 17 को विस बजट सत्र होगा आयोजित, बंद रहेंगे बाजार

कोकराझाड़(हिंस)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने 17 फरवरी को कोकराझाड़ नगर के दैनिक बाजार और साप्ताहिक हाट बाजार को अस्थायी रूप से बंद रखने की घोषणा की है। यह निर्णय असम विधान सभा के बजट सत्र के सुचारू संचालन के लिए लिया गया है। ज्ञात हो कि पहली बार विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन की कार्रवाई कोकराझाड़ के बोड़ोफा नगर स्थित बीटीसी विधानसभा में आयोजित होगी। बाजार बंद रखने का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना और आगंतुक गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन ने जनता और व्यापारियों से इस अस्थायी निर्णय को लागू करने में सहयोग की अपील की है। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा का बजट सत्र 17 फरवरी से आरंभ होकर 25 मार्च तक आयोजित हो रहा है। हालांकि, सदन की सभी बैठकें गुवाहाटी स्थित विधानसभा में आयोजित होगी। वहीं, सदन की पहले दिन की कार्रवाई बीटीसी विधानसभा में आयोजित होगी। यह पहली बार जब विधानसभा की बैठक राजधानी के बाहर होने जा रही है। विधानसभा की बैठक को देखते हुए कोकराझाड़ जिला शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सदन की कार्रवाई राज्यपाल के अभिभाषण के साथ आरंभ होगी।

असम मंत्रिमंडल ने कार्बी आंग्लांग में सौर पार्क को मंजूरी दी, अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में असम मंत्रिमंडल की आज, 16 फरवरी को बैठक हुई, जिसमें राज्य में शासन को मजबूत करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नीतिगत उपायों पर चर्चा और अनुमोदन किया गया। प्रशासनिक दक्षता और प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए, मंत्रिमंडल ने तिवा स्वायत्त परिषद में सीटों की संख्या में वृद्धि को मंजूरी दे दी है, जिससे इसकी संख्या 36 से बढ़कर 42 हो जाएगी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए, बोड़ोलैंड स्वायत्त परिषद और मिसिंग स्वायत्त परिषद के चुनाव सितंबर के लिए निर्धारित किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, कैबिनेट ने आधिकारिक तौर पर चिकला जलाओ को असम का आठवां राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया है। रायमोना और मानस राष्ट्रीय उद्यानों के बीच रणनीतिक रूप से स्थित इस पहल का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना और क्षेत्र में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देना है। टिकाऊ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने के एक भाग के रूप में, सरकार ने कार्बी आंग्लांग में एक सौर पार्क के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जो नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक कदम है। इसके अतिरिक्त, मंत्रिमंडल ने तीन नवगठित स्वतंत्र सरकारी विभागों के लिए बजट तैयारियों को मंजूरी दे दी है, जिससे सुव्यवस्थित संचालन और बेहतर शासन दक्षता सुनिश्चित होगी।

जयंत तालुकदार को आधिकारिक तौर पर असम डीएसपी नियुक्त : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 16 फरवरी को अर्जुन पुरस्कार विजेता और ओलंपियन तीरंदाज जयंत तालुकदार को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए आधिकारिक रूप से उन्हें पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त किया। तालुकदार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान यह पत्र सौंपा गया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने तीरंदाज की उल्लेखनीय उपलब्धियों की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें यह पहचान बहुत पहले मिल जानी चाहिए थी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री शर्मा ने पिछली सरकार की कार्रवाइयों के कारण उन्हें सम्मानित करने में हुई देरी पर खेद व्यक्त किया तथा कहा कि उनका सर्वश्रेष्ठ समय 2014 से पहले का था।

सिगरेट व पेट्रोलियम उत्पाद के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। राजधानी के दो अलग-अलग इलाकों में पुलिस ने छापा मार कर अवैध रूप से लाए गए सिगरेट एवं पेट्रोलियम प्रोडक्ट को जब्त किया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रविवार को पुलिस मुख्यालय ने बताया कि वशिष्ठ थाना पुलिस ने बीती रात बालूघाट में चेकिंग के दौरान कार्टून लदे एक ट्रक को रोका। यह वाहन अवैध रूप से बड़ी मात्रा में विदेशी सिगरेट ले जा रहा था। इस दौरान पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान 41, बरपेटा रोड निवासी ट्रक चालक व मालिक इदरीश अली और 29, बरपेटा रोड निवासी हैंडिमैन शाहकमाल अली के रूप में की गई है। पुलिस ने उनके पास से बगैर दस्तावेज के 20 कार्टून गोल्ड फ्लैक सिगरेट जब्त की है। एक अन्य घटनाक्रम में बीती रात आरपीएफ की सहायता से बामुनिमैदाम रेलवे कॉलोनी, कालिपुर में छापा मारा। पुलिस ने यहां क्वार्टर नंबर 812 के सामने स्थित अस्थायी बांस के शेड में एक अवैध भंडारण स्थल से लगभग 1200 लीटर पेट्रोलियम उत्पाद, जिसके केरोसिन होने का संदेह है, को जब्त किया है। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

क्रेन की ठोकर से होमगार्ड जवान की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बामुनीमैदाम इलाके में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास एक दुर्घटना में गृहरक्षक (होमगार्ड) जवान की रविवार को मौत हो गई। जवान की पहचान पदेश्वर कलिता के रूप में हुई है, जो चांदमारी थाना में तैनात थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ड्यूटी के दौरान एक हाइड्रा क्रेन की चपेट में आने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया, जिन्होंने निर्माण कार्य में लापरवाही का आरोप लगाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हाइड्रा क्रेन को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। चांदमारी पुलिस ने कहा है कि इस दुर्घटना की विस्तृत जांच की जाएगी और दोषियों पर उचित कानूनी कार्रवाई होगी।

आयकर विभाग का आयोजित कॉर्पोरेट कनेक्ट में टैक्स बार एसोसिएशन ने किया भागीदारी

गुवाहाटी (विभास)। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष दिनेश शर्मा के नेतृत्व में सचिव गोपाल सिंघानिया और प्रत्यक्ष कर समिति के चेयरमैन सोमेश बोस के साथ आयकर विभाग, उत्तर पूर्व क्षेत्र द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट कनेक्ट फॉर टीडीएस में भाग लिया। आयकर कानून के तहत कर कटौती के अनुपालन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयकर विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश शर्मा को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त नवरत्न सोनी और मुख्य आयकर आयुक्त (टीडीएस) जेम्स सिंगसन के साथ मंच साझा करते हुए इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव गोपाल सिंघानिया ने जानकारी देते हुए कहा कि आयकर विभाग द्वारा कर कटौती अनुपालन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने आयकर अधिनियम के तहत कर कटौती प्रावधानों के बेहतर अनुपालन में आयकर विभाग को हर संभव मदद की पेशकश की है। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, उत्तर पूर्व क्षेत्र से एसोसिएशन की मदद से पुरानी कर मांगों के समाधान के लिए विशेष शिविर आयोजित करने का भी अनुरोध किया है।

नगांव के डॉ. अमित जाजोदिया ने मेडिसिन डिग्री प्राप्त की

दल-संगठनो ने दी बधाई

नगांव (निसं)। शहर के हैबरगांव बजार निवासी इंजिनियर प्रकाश अग्रवाल व कविता अग्रवाल के सुपुत्र डॉ. अमित जाजोदिया (अग्रवाल) ने कालिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, भुवनेश्वर (उडिसा) से एमडी की डिग्री प्राप्त कर चिकित्सा के क्षेत्र में एक ओर सिद्धि प्राप्त की है। डॉ. अंकित की इस उपलब्धि पर समाज और परिवार में खुशी का माहौल है। शहर के विभिन्न दल संगठनो के पदाधिकारियो ने खुशी जाहिर करते हुए जाजोदिया परिवार को बधाई प्रेषित की है। उल्लेखनीय है कि डॉ. अंकित ने वर्ष 2020 में मौलाना अजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण कर डाक्टर बनने का गौरव प्राप्त किया था। एमडी का रिजल्ट 13 फरवरी 2025 ,गुरुवार को प्रकाशित हुआ था ।

हाथीगांव के खानका इलाके में मिला डेड बॉडी

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के बशिष्ठ थानांतर्गत इलाके से आज एक व्यक्ति की डेड बॉडी मिलने के चलते सनसनी फैल गई। शव शहर के हाथीगांव खानका इलाके में बरामद किया गया। मृतक की पहचान राजू के रूप में की गई है। शव दैनिक बाजार के एक घर से बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि मृतक व्यक्ति पिछले पांच वर्षों से इलाके में रह रहा था। वह बाजार में सफाई का काम करता था। स्थानीय लोगों का मानना है कि राजू की मौत अत्यधिक शराब के सेवन के चलते हुआ होगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में भेज दिया है।

संपादकीय

भगदड़ से शमशान घाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन

भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई । महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई । देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं जिसका ताजा घटनाक्रम 15 फ़रवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई । अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सैकड़ों घायल हो गए थे। रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है । ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगी। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पड़ा था। भगदड़ में सैकड़ों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवास होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नींद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिशयोक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकड़ों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फ़रवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी । 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे।2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल व रेलवे स्टेशन शमशानघाट बनते रहेगें।

आयकर कानून के सरल होने विवाद घटेंगे

ललित गर्ग

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में गुरुवार को 64 साल पुराने आयकर कानून-1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रविधानों को समाप्त करने के उद्देश्य से नया इनकम टैक्स बिल-2025 पेश कर दिया। 622 पन्नों के इस विधेयक में 536 धाराएं शामिल हैं। जबकि आयकर कानून-1961 में 1647 पन्ने और 819 धाराएं रही है। इस विधेयक में कई पुराने और जटिल प्रावधानों को हटाकर करदाताओं के लिए इसे आसान और पारदर्शी बनाया गया है।

आयकर के नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रिया को स्पष्ट, सहज, सरल और कानूनी उलझनों से मुक्त बनाना है जिससे लंबे समय तक चलने वाले विवादों की संख्या कम हो। इसे लागू करने की संभावित तारीख 1 अप्रैल 2026 तय की गई है। निश्चित ही नये आयकर कानून से टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता के नए दौर की शुरुआत होगी, यह आयकर कानून का नया सूरज है, जो जटिलताओं एवं पेचिदगियों की जगह सरलता एवं सहजता की रोशनी बनेगा।

मौजूदा आयकर कानून की तुलना में नया आयकर कानून शब्दों और धाराओं की संख्या के हिसाब से काफी छोटा है, पुराने इनकम टैक्स एक्ट में 5.12 लाख शब्द थे, जबकि नए बिल में सिर्फ 2.6 लाख शब्द हैं। एक्ट के अलग-अलग चैप्टर भी 47 से घटाकर 23 कर दिए गए हैं, नए कानून में 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद यह है कि लोग आसानी से आयकर के नियम समझ सकें और टैक्स भरने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाए। यह बिल आयकर प्रावधानों को सरल और आसान बनाने के बड़े मकसद से जुड़ा है, जिसका फायदा आने वाले वर्षों में दिख सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रारंभ से ही कम-से-कम कानूनों एवं सरल-व्यवस्था के हिमायती रहे हैं।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में आर्थिक क्रांति का शंखनाद अनेक मोर्चें पर हो रहा है। न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बदली है बल्कि हमारे आसपास की पूरी दुनिया बदल चुकी है। 1961 में बने आयकर कानून में बदलती जरूरत के मुताबिक नए-नए संशोधन होते रहे, जिससे इसकी जटिलता बढ़ती चली गई। यह जटिलता न केवल करदाताओं को उलझन में डालती थी बल्कि कानूनी प्रावधानों की कई तरह से व्याख्या अनेक उलझने एवं विवाद खड़ा करती रही है। इन जटिल होती परिस्थितियों का परिणाम यह हुआ कि अपने देश में टैक्स को लेकर विवाद लगातार बढते गये। इन लगातार बढ़ते विवादों के कारण ही इसे दुनिया की टैक्स विवादों की राजधानी कहा जाने लगा। खासकर पिछले करीब डेढ दशक में यह ट्रेंड बहुत तेजी से बढ़ा। नौबत ऐसी आ गई कि 2023-24 तक टैक्स संबंधी मुकदमों में विवादित रकम बढ़कर 15.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिसका करीब 87 प्रतिशत हिस्सा डायरेक्ट टैक्स से जुड़ा है। संभावनाएं हैं एवं सराहनीय भी है कि नये कानून के लागू होने से विवाद भी कम होंगे एवं जनता भी राहत की सांस लेगी। निश्चित ही यह कदम स्वागतयोग्य है। इस कानून को लाकर मोदी सरकार और विशेषतः वित्तमंत्री ने अपने दायित्व का ईमानदारी से पालन किया है।

आयकर कानून-1961 की जटिलताओं के कारण विवादों का अंबार लगा रहा है। जबकि आयकर विभाग को इन विवादों से

कोई फायदा भी नहीं होता है क्योंकि इनमें जीत का उसका रेकॉर्ड बड़ा खराब रहा है। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट (ओईसीडी) की ओर से 34 देशों में टैक्स विवादों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक 2015 में भारत में टैक्स विभाग को महज 11.5 प्रतिशत मामलों में ही जीत मिली थी। ओईसीडी देशों का औसत इस मामले में 65 प्रतिशत है। अवश्य ही यह स्थिति भारत के लिये चिन्ताजनक रही है। अब इस स्थिति में सुधार होने की संभावना है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो नए आयकर कानून से कर संहिता अधिक सरल हो जाएगी और वह आयकर अधिकारियों के साथ आयकरदाताओं को भी राहत प्रदान करेगी। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि आयकरदाताओं को जटिल नियमों के साथ आसानी से समझ न आने वाली भाषा से छुटकारा मिले।

देश में ऐसी सरल कर प्रक्रिया की अपेक्षा रही है कि कोई भी आदमी कर चुकाने के मामले में जमीनी और कागजी, दोनों ही स्तरों पर आत्मनिर्भर हो। नया कानून इस बड़ी अपेक्षा की पूर्ति करते हुए बड़ी परेशानियों से मुक्ति की राह प्रशस्त कर रहा है। ऐसे में चाहे असेसमेंट ईयर के बदले टैक्स ईयर जैसी शब्दावली तय करने की बात हो या सैलरी डिडक्शन से जुड़े तमाम प्रावधानों को एक सेक्शन में रखने की या खेती से जुड़ी आमदनी संबंधी प्रावधानों पर स्पष्टता लाने की, प्रस्तावित बिल सही ढंग से अमल में आए तो यह देश की टैक्स व्यवस्था को मजबूती देने के साथ नया भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को भी बदल देगा। चूंकि आयकर विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने का निर्णय लिया गया है, इसलिए यह आशा की जाती है कि वहां उस पर व्यापक एवं स्वस्थ विचार-विमर्श के दौरान उसे वास्तव में सरल रूप देने में मदद मिलेगी। इस अपेक्षा के साथ ही यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसा माहौल बनाने की आवश्यकता है, जिससे लोग स्वेच्छा से आयकर देने को प्रेरित हों और उनके मन में किसी तरह का भय न रहे।

यह भी समय की मांग है कि सरकार आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने के उपाय करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान में डेढ सौ करोड की आबादी वाले देश में आयकर देने वालों की संख्या चार करोड़ से भी कम है। इनमें मुख्यतः वे ही हैं, जो नौकरीपेशा हैं। आयकर विभाग को इतना चुस्त एवं दुरस्त करने की जरूरत है कि जो समर्थ होते हुए भी आयकर नहीं देते हैं, ऐसे लोगों का पता लगाये। आखिर जो संपन्न किसान एक सीमा से अधिक आय अर्जित करते हैं, उन्हें आयकर के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि कृषि आय को टैक्स के दायरे से बाहर रखने के नियम का दुरुपयोग भी किया जा रहा है। बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? खीर को ठण्डा करके खाने की बात समझ में आती है पर बासी होने तक ठण्डी करने का क्या अर्थ रह जाता है? समर्थ लोगों को स्वैच्छा से आयकर देने के लिये तत्पर होना चाहिए।

देश में आयकर का विषय विवादों से घिरा रहा है। अभी भी कुछ अर्थशास्त्री आयकर को दोहरा एवं गैर-जरूरी कराधान मानते हैं। लम्बे समय से ऐसे स्वर भी उभरते रहे हैं कि एक आम आदमी लगभग हर वस्तु और सेवा के लिये कर चुकाता है तो फिर उससे आयकर वसूलने की जरूरत क्यों है? भविष्य में इस पर भी सकारात्मक चिन्तन की अपेक्षा है। एक और बड़ी विसंगति का सामना आयकरदाता करता रहा है कि उसे आयकर विभाग हर मोर्चें पर सन्देह एवं शंका की नजर से देखता है। इसलिये जितना आवश्यक आयकर संबंधी नियम-कानून सरल करना है, उतना ही इस बात की अपेक्षा है कि आयकर विभाग लोगों से अनावश्यक रूप से न तो सवाल-जवाब करे और न ही किसी भूल-चूक पर उन्हें तंग करे। यह तब संभव होगा, जब आयकर अधिकारी आयकरदाताओं को संदेह की दृष्टि से देखना बंद करेंगे। उन्हें यह भी समझना होगा कि आयकर बचाने के उपाय अपनाने का मतलब कर चोरी करना नहीं होता। आयकर विभाग को उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते लोग आय छिपाने के जतन करते हैं। इसी के साथ ऐसी भी व्यवस्था करनी होगी, जिससे आयकर का आकलन करने और उसकी वसूली में भ्रष्टाचार न होने पाए। आयकर विभाग को लोगों के विश्वास का उपभोक्ता नहीं अपितु संरक्षक बनना होगा। निश्चित ही नया आयकर कानून भारत की कर प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे करदाताओं को अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आसानी होगी, कर प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा और कानूनी उलझनों से बचा जा सकेगा।

जयन्ती | विशेष

भारत के एक महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातों को सामान्य लोगों के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होंने उन्हें अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभूति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता है। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हें कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था।

तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधि थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षों से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी।

1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होंने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नहीं थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है।

रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रूप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरू मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चौबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम् शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

विचार | मंथन

अमेरिका और भारत की न्यायपालिका ?

अमेरिका की अदालतें सरकार के मनमाने निर्णय पर रोक लगा रही हैं। अमेरिका की अदालत को देखकर भारतीय न्यायपालिका की कलई खुलती चली जा रही है। भारत में सरकार की तानाशाही की चक्की में सब पिस रहे हैं। भारतीय न्यायपालिका ने एक तरह से सरकार के सामने समर्पण कर दिया है। अमेरिका के संवैधानिक संस्थान सरकार के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जुडिशरी ओर वहां के जज सरकार के गलत फैसलों के सामने झुकने को तैयार नहीं है। एलन मस्क और ट्रंप की तानाशाही का असर वहां की न्यायपालिका पर नहीं पड़ रहा है। अमेरिका की न्यायपालिका जरा भी भयभीत नहीं है। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहॉ की न्यायपालिका अपने निर्णय पूरी स्वतंत्रता के साथ ले रही है। जिसके कारण न्यायपालिका और सरकार के बीच टकराव देखने को मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार के छह निर्णय जो एग्जीक्यूटिव ऑर्डर थे। अमेरिका के जजों ने पलट दिए हैं। इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क और उपराष्ट्रपति जेड़ वेंस नाराज हो गए हैं। बेंस ने कह दिया न्यायपालिका अपनी हद पार कर गई है। वह ट्वीट करते हैं, जजों को एग्जीक्यूटिव की कानूनी शक्तियों को रोकने की इजाजत नहीं दी जाएगी।एलन मस्क ने भी ट्वीट किया। एक जज को पूरी जिंदगी जज बने रहने का विचार एक बकवास है। जजों को उठा के अटलांटिक में फेंक दो। अमेरिका की न्यायालयों ने ट्रंप सरकार के 6 फैसले पलट दिए हैं, या फैसलों पर रोक लगा दी है। बर्थ राइट सिटीजनशिप के निर्णय पर सीटल के एक जज ने रोक लगा दी। उससे पहले मैरीलैंड के एक जज ने इसी फैसले के ऊपर रोक लगा दी। तीसरे जज ने भी इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीन जजों ने इस निर्णय को रोक दिया है। ट्रंप सरकार का दूसरा निर्णय सरकारी कर्मचारियों को बाहर निकालने का था।20 लाख सरकारी कर्मचारियों को 6 फरवरी की डेडलाइन दी गई थी। 65000 लोगों ने इसको स्वीकार किया। नौकरी से निकलने के निर्णय के खिलाफ कर्मचारी यूनियंस कोर्ट मे चले गए। कोर्ट के फेडरल जज ने सरकार के इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीसरा निर्णय यूएस एड को खत्म करने का फैसला था।1960 के दशक में यूएस द्वारा मदद शुरू की गई थी। कई देशों में 100 से ज्यादा यूएस एड के तहत प्रोग्राम चलते हैं।वहां पर भी हजारों कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया। यह एलन मस्क का फैसला था। इस निर्णय को कोर्ट के अंदर चैलेंज किया गया।उसके बाद जज साहब ने इस निर्णय पर पूरी तरह से रोक लगा दी। एक फेडरल जज ने जिन लोगों को सरकार ने जबरिया छुट्टी पर भेजना और उसकी रिपोर्ट करने का ऑर्डर दिया था। उस निर्णय पर भी एक संघीय जज ने रोक लगा दी। चौथा फैसला फेडरल हेल्प फेडरल ग्रांट्स का था। इसमें एनजीओ होते हैं। नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन होती हैं। रिसर्च, कैलेमिटी के लिए हेल्प की जाती है। ट्रंप सरकार के इस निर्णय पर भी 28 जनवरी को जज लॉरेन अली खान ने रोक लगा दी। पांचवा मामला ट्रांसजेंडर का था। 5 फरवरी को वाशिंगटन डीसी के फेडरल जज रॉय सी लैमर्ट ने रोक लगा दी। छठवां मामला ट्रेजरी से संबंधित था। एलन मस्क ट्रेजरी की सारी इंफॉर्मेशन चाहते थे। इस विवाद में ट्रंप प्रशासन फंस गया।ट्रेजरी की गोपनीय जानकारी दिए जाने के निर्णय पर कोर्ट ने रोक लगा दी। फेडरल जज ने अपने निर्णय में कहा मस्क गोपनीय जानकारी हासिल नहीं कर सकते हैं, यह उनके अधिकार में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ लिए हुए अभी एक महीना भी पूरा नहीं हुआ है। जिस मनमाने तरीके से वह आदेश जारी कर रहे हैं। अमेरिका की फेडरल कोर्ट में सरकार के निर्णायों को चुनौती दी जा रही है। वहां की अदालतें संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए बिना डर - भय अथवा प्रलोभन के फैसला देने में जरा भी देर नहीं करती हैं। 2014 के बाद भारतीय न्यायपालिका एक तरह से सरकार के साथ सहयोग करके निर्णय करने लगी है। भारत में सरकार की अनुकूलता के हिसाब से मामलों की सुनवाई होती है। वही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी न्यायपालिका की बनाना चाहते हैं। अमेरिका की न्यायपालिका पूरी तरह से स्वतंत्र है। वह सरकार के किसी भी दबाव में नहीं आ रही है। जिसके कारण अमेरिका में सरकार, न्यायपालिका पर दबाव बनाने के लिए वह हर-हथकंडा अपना रही है, जो अपना सकती है। अभी जो निर्णय न्यायपालिका के सामने आए हैं। उसको देखकर ऐसा नहीं लगता है, अमेरिका की न्यायपालिका सरकार की दबाव में आएगी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके मंत्री एलन मस्क जिस मनमाने ढंग से संविधान और लोकतंत्र की अवहेलना करते हुए निर्णय ले रहे हैं। अमेरिका की न्याय पालिका के फेडरल जज जिस मुखरता के साथ निर्णय ले रहे हैं। उसकी अमेरिका के नागरिकों तथा दुनया के अन्य देशों न्यायपालिका पर विश्वास बढ़ा है। इसकी बड़ी सुखद प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भारतीय न्यायपालिका को भी अपनी जिम्मेदारी समझना होगी।

राजनीतिक | चर्चा

दिल्ली का नया मुख्य मंत्री कौन होगा ?

देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों बंसत की बहती ब्यार के संग सता के सिंघासन पर कौन,दिल्ली का नया मुख्य मंत्री कौन होगा,इस पर चर्चा,चिन्तन व चिंताए दिखने लगी है। जैसा कि आप को मालुम है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव सम्पन्न व परिणाम भी हफ्ते बीत गए है। दिल्ली की जनता अपने नए मुख्य मंत्री का स्वागत करने का तत्पर है। लेकिन 48 सीट पर विजयश्री का सेहरा पहनें के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की जनता को उनका मुख्य मंत्री देने में लाचार दिख रही है।8 फरवरी को दिल्ली विधान सभा के नतीजे आए।हालॉकि मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान कभी भी हो जाएगा।नए सीएम के नाम की घोषणा में देरी की वजह प्रधानमंत्री मोदी का देश से बाहर होना था।ये बातें हम सब जानते हैं। सीएम पद के दावेदारों के रूप में कई नाम पर कयास लगाये जा रहे है।रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता दिल्ली के नए मुख्यहो सकते हैं।श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के स्टूडेंट रहे विजेंद्र गुप्ता धीर गंभीर इंसान हैं। दिल्ली के मसलों को खूब जानते हैं।तीन बार नगर निगम पार्षद और चौथी बार विधायक बने हैं।वही जनकपुरी से विधायक आशीष सूद के नाम की भी चर्चा है।डेसू के अध्यक्ष रहे हैं।

कुछ लोगों के अनुसार प्रवेश वर्मा सी एम बनाए जायेंग या उन्हें कैबिनेट में शामिल किए जा सकते हैं। दिल्ली की कैबिनेट में राजौरी के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा को भी लिया जा सकता है। जंगपुरा से विधायक मारवाह या गांधी नगर वाले लवली के कैबिनेट में जगह बनाने की उम्मीद कम है।इसके पीछे उनका मूलतः कांग्रेसी होना है। जीके से विधायिका शिखा राय को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वो भी पंजाबी हैं।कैलाश गहलोत को नई कैबिनेट में कोई खास विभाग मिलना निश्चित है।वो केजरीवाल सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री थे। समझदार नेता हैं।जाट समाज से आते हैं।अगर मुस्तफाबाद से विधायक बने मोहन सिंह बिष्ट को विधान सभा का स्पीकर बनाया जा सकता है।वो भी लगातार विधायक बन रहे हैं। खैर ! वही राजनीति के पांडितयों के मध्य इन दोनों अरविन्द केजरीवाल व उनकी पार्टी आप की हार पर गहन अध्ययन व विवेचन किया जा रहा है। मै आप को बता दूँ कि भारतीय राजनीति के क्षितिज पर अन्ना हजारे के आन्दोलन का अबलम्बन ले कर जिस तरह आम आदमी के आशा व उम्मींद की नई किरण के साथ अरविन्द केजरीवाल ना केवल आया बल्कि अपने पार्टी का भी आम आदमी पार्टी रखा। जिस पर दिल्ली की भोली जनता ने दिल्ली सरकार के सता ना केवल तीन बारे के शीला दीक्षित को बाहर निकाल फेक कर अरविन्द केजरीवाल की सता पर आसीन किया। केजरीवाल के तीन बार मुख्यमंत्री बने रहें। भाग्य की विडम्बना देखिए जिस भष्ट्राचार , अपराध मुक्त विरोध में बुलन्द आवाज झण्डा चलते है।अंत स्वयं वे व उनकी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता जेल चले गए,बाद में जेल से जमानत पर है।जहाँ तक इस बार दिल्ली विधान सभा का प्रशन है।तो मै स्पष्ट कर दूँ कि कुछ महीने पुर्व से ही केजरीवाल व उनकी पार्टी के खिलाफ माहौल चल रहा था।चुनाव आते आते 'कट्टर ईमानदार' केजरीवाल के कल तक जो कट्टर समर्थक थे और इसके जबरदस्त विरोधी हो गये थे।ठीक वैसे ही जैसे पाँच वर्ष पूर्व पहले से ही दबी जुबान में भी डंका केजरीवाल का ही बोल रहा था।दिल्ली की जनता जर्नादन का संदेश साफ साफ था कि केजरीवाल जी तुम्हारी' गुमराहगीरी अब नहीं चलेगी।तुम अपने झूठ के सहारे एक बार नही बल्कि दो दो बार सता पा सकते हैं लेकिन बार बार नहीं,दिल्ली की जनता अब समझ चुकी थी कि अरविन्द केजरीवाल अपने विरोधी भाजपा व कॉग्रेस पर जो आरोपों के सहारे तस्वीर बना रहे हैं।उनसे उनकी व आप की हार की लहर इन तस्वीरों में झलक रही थी।अरविंद केजरीवाल व उनकी पार्टी की हार पर निश्चित तौर पर भाजपाई में खुशी है कि भारतीय राजनीति में केजरीवाल की मौकापरस्त व उनकी मूल्यविहीन राजनीति की हार है। उनका कहना है कि जिस अन्ना आंदोलन से लेकर अरविंद केजरीवाल ने अपना राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। सर्वविदित रहे कि अन्ना आंदोलन में सबसे पहले मंच पर भारत माता की बड़ी तस्वीर लगाई गई थी।लेकिन केजरीवाल और कंपनी ने जब देखा कि उससे इतना ज्यादा आकर्षण नहीं आ रहा है तो तुरंत उन्होंने अन्ना हजारे के पीछे महात्मा गांधी का बड़ा चित्र लगा दिया।परिणान स्वरूप अरविंद केजरीवाल रातों-रात त्याग तपस्या की मूर्ति व ईमानदारी का चोला ओढ़कर सबसे बड़े गाँधीवादी बन गए।कई बार उन्होंने राजघाट पर बापू की समाधि पर मौन व्रत और शांतिपूर्ण धरना भी दिया।लेकिन पहला मौका पाते ही उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यालय और फिर पंजाब में बनी सरकार के मुख्यमंत्री के कार्यालय से भी महात्मा धी की तस्वीर गायब कर दी।केजरीवाल की मौका परस्ती का यह बहुत बड़ा उदाहरण है। यहाँ पर मै स्पष्ट कर दूँ कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(आरएसएस) हमेशा से गाँधी की विचारधारा का विरोधी रहा है लेकिन आरएसएस की पार्टी भाजपा के नेताओं ने भी कभी महात्मा गांधी की तस्वीर हटाने की हिम्मत नहीं की।जहाँ तक दिल्ली के मुसलमान के प्रशन है,तो दिल्ली के मुस्लीम मतदाताओं ने तीन चुनाव से आम आदमी पार्टी को वोट दे रहा है लेकिन शाहीनबाग में महिलाओं के धरने प्रदर्शन में मुख्यमंत्री केजरीवाल या उनका कोई व्यक्ति नहीं गया।दिल्ली के दंगों में उनकी भूमिका मुस्लिम विरोधी रही।सी ए ए(CAA)व एन आर सी(NRC)के मुद्दे पर वे खामोश रहे।भारत के इतिहास में जब पहली बार कश्मीर के रूप में किसी राज्य का पूर्ण राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया तो केजरीवाल ने सबसे पहले उसका स्वागत किया। और राजनीति में सत्यता और ईमानदारी की बात करने वाले केजरीवाल अंततः शराब घोटाले में फंस गए।मैं नहीं जानता कि वाकई यह घोटाला हुआ या नहीं, इसमें केजरीवाल या उनके लोगों ने पैसा खाया या नहीं,लेकिन इतना तो सब लोग जानते हैं कि उन्होंने दिल्ली के घर-घर में शराब आसानी से उपलब्ध कराने की नीति बनाई थी। कम से कम यह नीति उस नैतिकता के बिल्कुल उलट है,जिसका स्वांग केजरीवाल भरा करते थे। उनके आलीशान सरकारी बंगले की नुमाइश भी उनके सादगी के अभिनय पर भारी पड़ी।जब इन सब बातों को एक साथ मिलकर देखते हैं तो सोचना पड़ता है कि अगरभाजपा की जगह केजरीवाल जीत जाते तो आखिर भारत के संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कोई फायदा होने वाला तो नहीं था।

प्रदेश में अब योग्यता ही नौकरी का पैमाना जो पढ़ेंगे वही आगे बढ़ेंगे : रणबीर गंगवा

झज्जर (हिंस)। राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि वर्तमान सरकार में बिना खर्ची व पर्ची के युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रहीं हैं। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जो युवा पढ़ेंगे वही आगे बढ़ेंगे। प्रदेश सरकार ने निष्पक्ष व्यवस्था देने का काम किया व नौकरी हासिल करने का केवल पैमाना केवल योग्यता है। मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को प्रजापति समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं व स्थानीय निकायों के चुनाव में पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान करते हुए वंचित वर्गों के उत्थान के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है। मंत्री रणबीर गंगवा का दक्ष प्रजापति धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर प्रजापति समाज की तरफ से भव्य तरीके से स्वागत किया गया। इस उपरांत कैबिनेट मंत्री ने महाराजा दक्ष प्रजापति समाज धर्मशाला का नवनिर्मित भवन का शिलान्यास किया। माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर सिंह मालीवाल की गरिमामय उपस्थिति रही। इस दौरान बिना खर्ची व पर्ची नौकरी हासिल करने वाले युवाओं व उनके परिवारों और प्रजापति समाज के सरपंचों को कैबिनेट मंत्री गंगवा द्वारा सम्मानित किया गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से विश्व पटल पर देश का गौरव बढ़ा है और पूरी दुनिया का भारत को देखने का दृष्टिकोण बदल गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में देश बुलंदियों की तरफ बढ़ रहा है। वहीं, प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह जी की ईमानदार व निष्पक्ष नीतियों से विकास के पथ पर अग्रसर है। गंगवा ने कहा कि पूर्व की सरकारों में वंचित वर्गों के मेहनती युवाओं को नौकरियों से वंचित रखा जाता था, लेकिन अब सरकार में युवाओं में खुशी का माहौल है क्योंकि उनकी काबिलियत से उन्हें नौकरियां मिल रहीं हैं। गंगवा ने धर्मशाला के निर्माण के लिए 11 लाख रुपए देने की घोषणा की।

जबरन धर्म परिवर्तन करवाने का मामला

तमिलनाडु, पुडुचेरी, गोवा से आए धर्मप्रचारकों को पुलिस ने किया दस्तयाब

बीकानेर (हिंस)। मुक्ता प्रसाद थाना क्षेत्र में जबरन धर्म परिवर्तन करवाने का मामला सामने आया है। सूचना पर हिन्दु संगठन के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को बुलाया। पुलिस ने संबंधित घर पर दबिश देकर कुछ महिलाओं सहित कई जनों को पूछताछ के लिए दस्तयाब किया है। जिनसे पूछताछ कर हकीकत का पता लगाया जा रहा है। जानकारी मिली है कि बंगलानगर क्षेत्र स्थित एक घर में प्रार्थना सभा के नाम पर चल रहे आयोजन को धर्म परिवर्तन की कोशिश बताते हुए हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध किया। आयोजकों ने दरवाजा नहीं खोला तो धकेला गया। इस दौरान झड़प भी हुई। बताया जा रहा है कि थाने लाए गए लोगों में तमिलनाडु, पुडुचेरी, गोवा से आए धर्मप्रचारक शामिल है। यहां लाए गए लोगों में दो फौजी भी बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि जिस घर में यह गतिविधि चल रही थी, वह किराए पर लिया गया था। यहां पुरुष, महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। जिनमें से कुछ असाध्य रोगों से पीड़ित थे। मौके पर यीशु की प्रार्थना हो रही थी, जिसे लेकर विश्व हिंदू परिषद और हिंदू जागरण मंच के नेताओं ने आपत्ति जताई। सीओ सदर श्रवणदास संत मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां काफी समय से बाहरी लोगों का आना-जाना था। आरोप है कि कुछ लोगों को 20-25 हजार रुपए देने का लालच देकर बुलाया गया था, जबकि कुछ के पास वापस जाने तक के पैसे नहीं थे। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त कर ली है। धर्मांतरण के आरोप वाले इस कैंप में बीकानेर में अंत्योदय नगर, बंगलानगर, इंद्रा कॉलोनी, मुक्ता प्रसाद कॉलोनी, उदासर आदि इलाकों के गरीब और ज्यादातर दलित समुदाय के लोग हैं।

हिसार के रामपुरा मोहल्ला में अवैध पीजी खिलाफ लामबंद हुए लोग

हिसार (हिंस)। शहर के रामपुरा मोहल्ला में अवैध रूप से संचालित पीजी (पेइंग गेस्ट) और उनसे जुड़ी असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ स्थानीय निवासियों ने पुरानी सब्जी मंडी चौकी में शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत का नेतृत्व रामपुरा मोहल्ला एसोसिएशन के प्रधान आशीष गोदारा ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग शामिल हुए। शिकायत देते हुए क्षेत्रवासियों ने रविवार को कहा है कि बिना किसी अनुमति और पुलिस सत्यापन के चल रहे पीजी से क्षेत्र में अपराध, असुरक्षा और सामाजिक समस्याएं बढ़ रही हैं। इस मुद्दे को लेकर हिसार पुलिस के चौकी इंचार्ज को शिकायत सौंपी गई और अवैध पीजी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

अब छोटे व्यापारी भी मालगाड़ी से भेज सकेंगे अपना सामान

जयपुर (हिंस)। रेलवे ने छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हित में मालगाड़ी से सामान भेजने की अपनी नीतियों में बदलाव किए हैं। कम मात्रा एवं वजन का सामान अभी तक व्यापारी रेलवे के पार्सल वैन के द्वारा ही भेज सकते थे। मालगाड़ी डिब्बो से भेजने के लिए पूरी गाड़ी को किराए पर लेना होता था। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार रेलवे बोर्ड ने माल लदान की अपनी नीति में बदलाव किए हैं। अब सीमेंट, कोयला, खाद्यान्नों इत्यादि बड़े मदों के साथ-साथ अन्य सामान जैसे दवाइयां, दुग्ध उत्पाद, मसाले, कपड़े, बिजली के उपकरण इत्यादि छोटे मद भी बीसीएन (बोगी कवर्ड वैगन) मालगाड़ी में लदान कर परिवहन किए जा सकेंगे। इससे छोटे व्यापारियों को लाभ होगा एवं रेलवे को राजस्व प्राप्ति के लिए नया स्रोत मिलेगा। इसके लिए परिवहन किए जाने वाले सामानों की सूची निर्धारित की गई है। इन मदों का माल भाड़ा मालगाड़ी मे भी पार्सल वैन की तरह पार्सल दरों पर ही निर्धारित किया गया है। व्यापारी को एक वैगन मे कम से कम न्यूनतम वजन 14 टन या वास्तविक वजन का शुल्क लिया जायेगा। इस तरह बुक किए गए सामानों में मालगाड़ी के डिब्बो की संख्या भी 42 के स्थान पर न्यूनतम संख्या भी 30 निर्धारित की गई है।

अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हिसार (हिंस)। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपकर नर नील गाय को मारने वाला फैसला वापिस लिए जाने की मांग की है। टीटीसी में कृषि दर्शन एक्सपो का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री को सभा ने नील गाय का स्मृति चिन्ह व अपना मांग पत्र दिया। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आपकी भावनाएं समझता हूं। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा व हिसार जिला प्रधान चन्द्र सिंह सहारण के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ये ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में उपरोक्त दोनों पदाधिकारियों के अलावा अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के राष्ट्रीय संयोजक धर्मसिंह खीचड़, उपाध्यक्ष विनोद खिलेरी मल्लापुर, जिला फतेहाबाद प्रधान राधेश्याम सरपंच गांव नागपुर, जिला बार एसोसिएशन हिसार के प्रधान एडवोकेट विनय बिश्नोई, जिला बाहर एसोसिएशन हिसार के पूर्व प्रधान एडवोकेट मनदीप बिश्नोई, खंड आदमपुर जीव रक्षा अध्यक्ष कृष्ण राहड़ व गांव काजला से सीताराम सहारण शामिल थे। जिला प्रधान चन्द्र सिंह सहारण ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यान से सुना और कहा कि मामला सरकार के संज्ञान में है, हम जनभावना के अनुरूप ही कार्य करेंगे और अधिकारियों को इस संबंध में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद सभा पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नील गाय का फोटो लगा स्मृति चिन्ह दिया और कहा कि ये बोल नहीं सकते हम बोल सकते हैं। इस पर मुख्यमंत्री भी हंसे बिना नहीं रह सके और हंसते हुए बोले कि मैं आपकी बात अच्छे से समझ गया। प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, हरियाणा सरकार से बात की है। वन संरक्षक ने जानकारी दी कि 07 नवंबर 1996 को उस समय सरकार द्वारा इस तरह का आदेश जारी किया गया था। इसके बाद अब सरकार द्वारा नया कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के पदाधिकारियों ने हरियाणा सरकार का इस मामले में तुरंत संज्ञान लेने व गंभीरता से विचार करने पर संपूर्ण समाज एवं वन्य जीव प्रेमियों की ओर से आभार जताया है।

दस हजार का इनामी बदमाश हनुमान दास गिरफ्तार

धौलपुर (हिंस)। पुलिस ने दस हजार के इनामी बदमाश हनुमान दास गुर्जर को रविवार को गिरफ्तार किया है। उक्त बदमाश पर अपने साथियों के साथ में धौलपुर भाजपा कार्यालय के बाहर फायरिंग करने का आरोप है। आरोपित बीते दस माह से फरार चल रहा था। आज मनियां, दिहौली एवं सदर पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए पकडा गया। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि जिला पुलिस ने दस हजार के इनामी बदमाश हनुमान दास गुर्जर पुत्र करतार सिंह निवासी सामौर थाना दिहौली जिला धौलपुर हाल निवासी महखेडा थाना दिमनी जिला मुरैना मप्र को गिरफ्तार किया है। उक्त बदमाश ने अपने साथियों के साथ में सात अप्रेल 2024 को बीजेपी कार्यालय धौलपुर के बाहर फायरिंग की थी। इस संबंध में थाना कोतवाली धौलपुर पर दर्ज प्रकरण संख्या 182/2024 में फरार चल रहा था तथा उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय धौलपुर की ओर से दस हजार रुपए का इनाम घोंषित था। एसपी ने बताया कि उक्त बदमाश लुक्का डकैत गैंग का सक्रिय सदस्य है। बीते साल 09 मई को उक्त बदमाशान गैंग की जुगईपुरा के बीहड़ में सिद्ध बाबा मंदिर के पास छिपे होने की सूचना मिलने पर थानाधिकारी दिहौली मय टीम व डीएसटी धौलपुर द्वारा कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। जहां पर उक्त बदमाशान द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई थी।

विदेशी आक्रमणकारियों ने हिंदू समाज में विषमता पैदा करने का प्रयास किया : कोटेश्वर शर्मा

महाकुंभ में हुआ विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता अभियान की बैठक का समापन

महाकुंभनगर(हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महामंत्री कोटेश्वर राव शर्मा ने रविवार को कहा कि विधर्मी व विदेशी आक्रमणकारियों ने हिंदू समाज में जाति भेद, प्रांत भेद, भाषा भेद के साथ ही अन्य तरह की विषमताएं पैदा करने के लिए प्रयास किए। इसके परिणामस्वरूप आज भारत में अनेक प्रकार के जातिभेद दिखाई दे रहे हैं। वह महाकुंभ में आयोजित सामाजिक समरसता अभियान की अखिल भारतीय बैठक के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कोटेश्वर शर्मा ने कहा कि सामाजिक समरसता के विषय को समाज में निचले स्तर तक ले जाने की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता निर्माण कर सनातन राष्ट्र और समाज की रक्षा करने का संकल्प पवित्र प्रयाग के कुंभ मेले से हम सभी को लेकर जाना चाहिए। विदेशी विधर्मियों के भारत में आक्रमण काल में उनका साम्राज्य प्रस्थापित करने के लिए अनेक प्रकार के षड्यंत्र एवं भ्रम फैलाए गए। संयुक्त महामंत्री ने कहा कि समाज का प्रबोधन कर समाज में समरसता निर्माण करने की आज आवश्यकता है। समरसता के भाव का विचार मन में उठता है तो उस विचार के अनुरूप हमारा व्यक्तित्व भी होना चाहिए। हमारा व्यवहार, कथनी और करनी एक समान होना जरूरी है। सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए आने वाले समय में प्रत्येक कार्यकर्ता कठोर परिश्रम करके सामाजिक समरसता का निर्माण निर्माण करे। साथ ही सनातन राष्ट्र और समाज की रक्षा करने का संकल्प पवित्र प्रयाग के कुंभ मेले में लेना चाहिए। सामाजिक समरसता अभियान के प्रमुख देवजी भाई रावत ने बताया कि दो दिवसीय सामाजिक समरसता की बैठक में आए 32 प्रांतों के 150 से अधिक प्रतिनिधियों के समक्ष समाजिक समरसता निर्माण करने में वर्तमान आवश्यकताओं व आगामी कार्यक्रमों के बारे में चर्चा हुई। बैठक को विभिन्न सत्रों में विहिप के संगठन मंत्री मिलिंद परांडे, सह संगठन मंत्री विनायक राव देशपांडे, विहिप के संरक्षक दिनेशचन्द्र और सामाजिक समरसता अभियान के प्रमुख देवजी भाई रावत ने अलग-अलग विषय रखे। बैठक में केंद्रीय संयुक्त महामंत्री स्थानुमलन, संत शंकर स्वामी, गुजरात क्षेत्र के सामाजिक समरसता प्रमुख रसेश भाई रावल, दिल्ली से क्षेत्र प्रमुख ईश्वर व बंगाल क्षेत्र से गौतम उपस्थित रहे।

अंतरधार्मिक विवाह का सर्टिफिकेट जारी करने के बाद हिंदू संगठनों ने किए विरोध के स्वर तेज

बीकानेर (हिंस)। नगर निगम में नियम-कायदों से परे जाकर अंतरधार्मिक विवाह का सर्टिफिकेट जारी करने के दो मामले सामने आने के बाद हिंदू संगठनों ने विरोध के स्वर तेज कर दिए है। करीब डेढ़ महीने पहले दो अलग-अलग धर्मों के युवक-युवती ने विवाह कर लिया। युवती के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई तो युवक-युवती ने शादी का सर्टिफिकेट दिखा दिया। परिजनों ने जब नगर निगम में सर्टिफिकेट के बारे में जानकारी ली तो पता चला कि यह एक ही दिन में नियमों से परे जाकर बना दिया गया। इस मामले में कर्मचारी चंचल चांवरिया की भूमिका संदिग्ध मिली। चांवरिया के खिलाफ पहले 17 सीसी की चार्जशीट दी गई। उसे सर्टिफिकेट बनाने वाले स्थान से भी हटा दिया गया था। इस घटना से करीब एक सप्ताह पहले भी कमोबेश ऐसा ही मामला सामने आया था। उसमें भी मिलीभगत कर सर्टिफिकेट तैयार कर दिया गया। नियमानुसार, अलग-अलग धर्म के युवक-युवती होने पर ये सर्टिफिकेट स्पेशल मैरेज एक्ट के तहत बनाया जाता है और उसका अधिकार कलक्टर के पास है। इधर, हिंदू जागरण मंच के संयोजक कैलाश भार्गव ने कहा कि नगर निगम में अंतरधार्मिक विवाह के सर्टिफिकेट जारी करने में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। पिछले दिसंबर और जनवरी में ऐसे दो मामलों में हमारे मंच के कार्यकर्ताओं ने सक्रियता दिखाते हुए इन सर्टिफिकेट की जांच करवाने की मांग उठाई थी।

अमेरिका से डिपोर्ट दो युवकों को हत्या मामले में पंजाब पुलिस ने किया गिरफ्तार

हत्या का मामला दर्ज होने के बाद डंकी से हुए थे फरार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने अमेरिका से डिपोर्ट होकर शनिवार की रात लौटे दो युवकों को गिफ्तार किया है। यह दोनों युवक आपस में चचेरे भाई हैं और इन पर पंजाब में हत्या का केस दर्ज है। बाद में दोनों डंकी रूट से अमेरिका गए थे। पटियाला के एसएसपी डॉक्टर नानक सिंह के अनुसार दोनों युवकों के विरुद्ध पहले से मामला दर्ज था। इनका लुआउट नोटिस भी जारी हो चुका है। पकड़े गए आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। गिरफ्तार दोनों भाइयों की पहचान संदीप और प्रदीप के रूप में हुई है। यह पटियाला में राजपुरा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार पटियाला के राजपुरा सिटी थाने में 25 जून 2023 को दर्ज एफआईआर के मुताबिक शिकायतकर्ता हरमनजोत ने बताया थाकि दाना मंडी के करीब उनकी रेहड़ी लगती है। वहां 25 जून की रात हसमुख सिंह उनकी रेहड़ी पर आया। जिसके साथ उसका झगड़ा हो गया। उसने अपने दोस्तों संदीप सिंह उर्फ सनी और प्रदीप सिंह को बुला लिया। इन आरोपियों ने शिकायतकर्ता हरमनजोत के भाई सचंदर सिंह और फूफा सरवन सिंह पर हमला कर दिया था। इस हमले में सरवन सिंह की मौत हो गई थी। इसके बाद दोनों आरोपी डंकी रुट से अमेरिका फरार हो गए। अब उन्हें डिपोर्ट किए जाने पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

उपचुनाव में हुई बेइमानी से ही जनता बनाएगी सपा की सरकार : अखिलेश यादव

कानपुर (हिंस)। महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालु सरकार की अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ रहे हैं। मीडिया पर दबाव बनाकर आंकड़ों और सच्चाई को दिखाने से रोका जा रहा है। आयोजनों की आड़ में सरकार केवल अपना प्रचार-प्रसार ही करती है। भाजपा सरकार विकास के खिलाफ है। मिल्कीपुर उपचुनाव में धांधली के चलते सीट जबरन जीती गई है, जिसे अयोध्या का बदला कहा जा रहा है। कानपुर में भी उपचुनाव के दौरान खूब बेईमानी की गई थी लेकिन कार्यकर्ताओं के जोश और उनकी मेहनत की वजह से यह सीट हमने जीत ली। यही कारण है कि अब 2027 में होने वाले चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत से जीतेगी। यह बातें रविवार को कानपुर पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कही। सपा के पूर्व विधायक सतीश निगम की बेटी के वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव रविवार को कानपुर पहुंचे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के खिलाफ है। धार्मिक, राजनीतिक या किसी भी तरह के बड़े कार्यक्रमों के जरिए वह केवल अपनी ब्रांडिंग करती है। जितना बजट वह अपने प्रचार-प्रसार में खर्च करती है, यदि उतना बजट जनता के हित में लगा दे, तो व्यवस्थाएं काफी हद तक सुधर सकतीं हैं। प्रयागराज में संगम स्नान करने आए सरकार के करीबियों को वीआईपी सुविधा दिया जाता है। जबकि आम श्रद्धालुओं के लिए किसी भी तरह की कोई खास व्यवस्था नहीं है। मौनी अमावस्या पर प्रयागराज संगम में मची भगदड़ में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा छुपाया जा रहा है और जब मीडिया ने इसे दिखाने की कोशिश करी तो दबाव बनाते हुए कार्रवाई की गई। उपचुनाव के दौरान भाजपा की जमकर बेईमानी देखी गई। मिल्कीपुर उपचुनाव को जीतने के बाद उसे अयोध्या में हुई हार का बदला माना जा रहा है। जबकि यह सब जानते हैं कि किस तरह से बेईमानी कर इस सीट को जीता गया। कुछ यही हाल कानपुर का भी था लेकिन कार्यकर्ताओं के आत्मविश्वास और जोश के आगे उनकी एक न चली। गंगा को स्वच्छ और अरिवल बनाने के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए लेकिन गंगा आज भी मैली है। कुल मिलाकर मां गंगा तो साफ नहीं हुई लेकिन बजट साफ हो गया। सरकार के इन्हीं रवैयों को देख प्रदेश की जनता काफी समझदार हो गई है। 2047 तक सपा नहीं बल्कि भाजपा 2027 में ही शून्य हो जाएगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में लोगों की हुई मृत्यु अत्यंत दुखद : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में लोगों की हुई मृत्यु पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए मृतक आश्रितों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बिहार के रहनेवाले मृतक आश्रितों को 02 लाख रुपए एवं घायलों को 50 हजार रुपए की की आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में घायल हुये लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

महाकुंभ में वैदिक मंत्रों का जाप कर विद्वानों ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

महाकुंभ नगर (हिंस)। प्रयागराज महाकुंभ मेला में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान शिविर में 504 ब्रह्मज्ञानी विद्वानों ने लगातार वैदिक मंत्रों का जाप कर रविवार को विश्व रिकॉर्ड बनाया। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स टीम के अधिकारियों ने जाग्रति संस्थान को इसका प्रमाण पत्र दिया। 14 जनवरी 2025 को महाकुंभ मेला के दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान शिविर में इन ब्रह्मज्ञानी वेदपाठियों के बिना रुके हुए (24×7) किए गए वैदिक मंत्रों (रुद्री पाठ) पाठ को लाखों लोगों ने देखा और सुना। इस भव्य आध्यात्मिक परंपरा को शिविर में आने वाले श्रद्धालु, भक्त देखकर चकित थे। यह असाधारण तप कर्म 33 दिनों तक चला, जो आध्यात्मिक भक्ति और अनुशासन में एक अद्वितीय उपलब्धि का उदाहरण प्रस्तुत करता है। दिव्य ज्योति वेद मंदिर द्वारा आयोजित दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) सेक्टर-9 में एक परियोजना के शिविर में इस पवित्र तप कर्म रिले के लिए 504 ब्रह्मज्ञानी वैदिक विद्वानों को एक साथ लाया। जिन्होंने 792 घंटों तक लगातार जाप किया। जिसमें कुल 25, 61, 328 वैदिक मंत्र शामिल हैं। जिसमें शुक्ल यजुर्वेदीय रुद्र अष्टाध्यायी पाठ के 11, 151 प्रतिपादन शामिल हैं। यह ऐतिहासिक उपलब्धि 14 जनवरी 2025 को सुबह 3 बजे शुरू हुई और 16 फरवरी 2025 को 4 बजे समाप्त हुई। महाकुंभ मेले के दौरान आधिकारिक तौर पर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पंजीकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि 180 से अधिक शहरों के ब्रह्मज्ञानी वेदपाठियों ने विश्व शांति और मानवता के कल्याण को बढ़ावा देने के महान इरादे से इन मंत्रों का निस्वार्थ भाव से उच्चारण करने का संकल्प लिया। सभी वेदपाठियों ने इस कीर्तिमान में योगदान दिया। ये वेदपाठी दिव्य गुरु आशुतोष महाराज के शिष्य हैं, जिन्होंने महाकुंभ में इस भव्य आध्यात्मिक प्रसाद में भाग लिया है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री की शोक संवेदना

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल बागडे ने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद है। मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रभु दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान व घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे।

दिल्ली स्टेशन हादसा में शामिल नवादा के राजकुमार ने सुनाई आपबीती

नवादा (हिंस)। *मेरी पत्नी और बेटी खत्म हो गई, बेटा जिंदा है लेकिन...,* मैं कुछ नहीं कर पाया, बदहवास राज कुमार ने मोबाइल के सहारे आपबीती सुनाई। उन्होंने कहा कि होश संभाला तो अपने परिवार का कोई आसपास नहीं था। अब पता चला है कि पत्नी और बेटी हमारी मर चुकी है। बेटा जिंदा है, लेकिन कहां है ये पता नहीं है। किसी का फोन आया था। उसने बताया बेटा सुरक्षित है। दिल्ली से नवादा आ रहा था पूरा परिवार कल शाम तक परिवार में चार लोग थे, अब दो लोग बचे हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में राज कुमार मांझी की दुनिया ही उजड़ गई। बेटी और पत्नी की मौत हो चुकी है। रेलवे ने भी लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें पुष्टि हो रही है कि राजकुमार की पत्नी और मासूम बेटी अब इस दुनिया में नहीं है। दरअसल, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद राज कुमार मांझी बदहवास इधर-उधर भाग रहे थे। पत्नी बच्चों को ढूंढ़ रहे थे। लेकिन कुछ देर बाद राज कुमार को जो खबर मिली, उससे वो टूट गए। खुद राज कुमार हादसे के चश्मदीद हैं। राजकुमार की आंखों में अब आंसू नहीं हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि अभी उनके आंसू पोछने वाला कोई नहीं है, पत्नी-बेटी साथ छोड़ चुकी है। जब राजकुमार से पूछा गया कि कहां जा रहे थे आप ? कौन-कौन थे आपके साथ ? राजकुमार कहते हैं, बिहार के नवादा का रहने वाला हूं, परिवार के साथ घर जा रहा था। 7 नंबर प्लेटफॉर्म पर हमारी ट्रेन रात करीब 10.15 बजे थी, जिसे पकड़ने के लिए जा रहे थे। सीढ़ी पर उतरते समय भगदड़ मच गई, फिर सब बिछड़ गए। होश संभाला तो अपने परिवार का कोई आसपास नहीं था। अब पता चला है कि पत्नी और बेटी हमारी मर चुकी है। बेटा जिंदा है, लेकिन कहां है ये पता नहीं है।

चालू वित्त वर्ष में मदर डेयरी को अपना कारोबार 17,000 करोड़ के पार होने की उम्मीद

मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी, कंपनी ने अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए

नई दिल्ली

अपने खाद्य उत्पादों की बेहतर मांग तथा उत्पादन क्षमता के साथ वितरण नेटवर्क के विस्तार से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी का कारोबार 15 प्रतिशत बढ़कर 17,000 करोड़ रुपये से अधिक रहने की उम्मीद है। दूध और अन्य डेयरी उत्पादों के अलावा मदर डेयरी धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल और सफल ब्रांड के तहत बागवानी उत्पाद बेचती है। मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी। अब यह राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। मदर डेयरी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि इसने अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए हैं। हम चालू वित्त वर्ष में 15 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ साल का समापन 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार के साथ करेंगे। वित्त वर्ष 2023-24 में मदर डेयरी ने 15,037 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल किया था। डेयरी कारोबार ने कुल वार्षिक राजस्व में लगभग 75 प्रतिशत का योगदान दिया था। यह मजबूत प्रदर्शन हमारी रणनीतिक पहल का प्रमाण है। दिल्ली-एनसीआर से परे हम राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति बढ़ा रहे हैं, नई पीढ़ी के वितरण चैनल के माध्यम से अपनी पहुंच को मजबूत कर रहे हैं, विनिर्माण क्षमता का विस्तार कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए नए रोमांचक उत्पाद पेश कर रहे हैं। क्षमता विस्तार के लिए मदर डेयरी 500 करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित निवेश के साथ महाराष्ट्र के नागपुर में एक विशाल दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित कर रही है। इस नई सुविधा के 2026 तक चालू होने की उम्मीद है और यह मध्य और दक्षिणी क्षेत्र के बाजारों को उत्पादों की आपूर्ति करेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

अरबिंदो फार्मा कंपनी यूरोपीय बाजार में उत्पादों की आपूर्ति शुरू करेगी

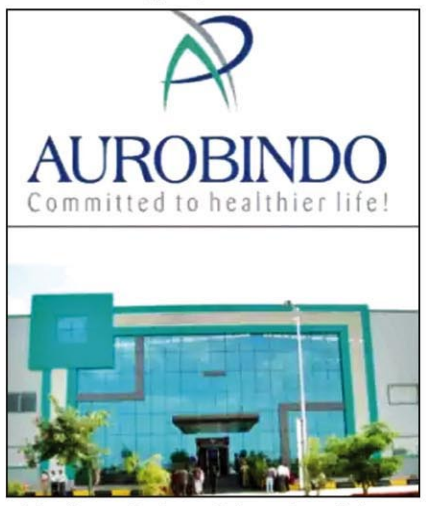

नई दिल्ली। दवा निर्माता अरबिंदो फार्मा कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने घोषणा की है कि कंपनी अपने चीन के संयंत्र से यूरोप के बाजारों में अप्रैल महीने से उत्पादों की आपूर्ति शुरू करेगी। कंपनी ने नवंबर, 2024 के अंतिम सप्ताह में इस संयंत्र का परिचालन शुरू किया था और अब उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया में है। सुब्रमण्यन ने बताया कि यूरोप से नियामकीय मंजूरियां मिल चुकी हैं और वहां उत्पादों की आपूर्ति शुरू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि कंपनी को अगले 2-3 वर्षों में चीन संयंत्र से अच्छी कमाई की उम्मीद है। वे ने राजस्व अनुमान के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि दो से तीन साल में महत्वपूर्ण राजस्व मिलने की उम्मीद है। इस साल कंपनी ने अपने उत्पादों को महत्वपूर्ण बाजारों में लाने के लिए कई कदम उठाए हैं और अप्रैल से यूरोप में आपूर्ति शुरू करने का नया प्रस्ताव भी इसी दिशा में कदम है। यह अगले कुछ महीनों में कंपनी के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है और इसके साथ ही यूरोप के रोजगार की वृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण समाचार है। अरबिंदो फार्मा ने अपने उत्पादों की गुणवत्ता के मामले में भी अच्छी प्रतिष्ठा हासिल कर ली है और इसका यूरोप में उत्तराधिकारी हो या न करने का संकेत हो सकता है।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), निवेश का सही रास्ता

नई दिल्ली। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) एक ऐसा निवेश माध्यम है जो नियमित रूप से निवेश करने के माध्यम से रिटेल इन्वेस्टर्स को आवश्यक धन वृद्धि का अवसर प्रदान करता है। यह निवेश प्रक्रिया एक डिसिप्लिन तथा विश्वसनीय उपाय है जिसमें साप्ताहिक, मासिक या तिमाही आधारित निवेश करने की स्वतन्त्रता होती है। एक रिपोर्ट दर्शाती है कि 7 साल की एसआईपी एक अधिक रियलिस्टिक और व्यापक रूप से उपयुक्त समय-सीमा है। इस अवधि के दौरान, बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक को ज्यादा रिटर्न की संभावना होती है एवं उनका निवेश भी कम जोखिमपूर्ण होता है। एक और अध्ययन में 2005 से 2025 तक के दौरान निफ्टी स्मॉलकैप 250 का मिनिमम रिटर्न -7.3 फीसदी रहा जबकि निफ्टी मिडकैप 150 ने 27.3 फीसदी रिटर्न प्रदान किया। यह दिखाता है कि स्मॉलकैप में निवेश करने वाले निवेशकों को थोड़ा जोखिम झेलना पड़ता है, जबकि मिडकैप में निवेश करने वालों को ऐसा अनुभव नहीं होता। यानी कि एसआईपी एक बेहतरीन निवेश विकल्प है जो निवेशकों के लिए धन का उत्थान करने में मदद कर सकता है, परंतु उन्हें इसे दीर्घकालिक एवं नियमित रूप से अपनाना होगा।

हीरो मोटोकॉर्प का अगले वित्त वर्ष में राजस्व में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

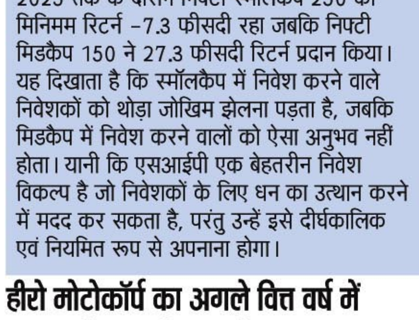

नई दिल्ली। देश की लीडिंग दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपने नए उत्पादों और खंडों में सतत निवेश के माध्यम से अगले वित्त वर्ष में अपने राजस्व में दो अंकीय वृद्धि का लक्ष्य घोषित किया है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी ने इसकी जानकारी दी, जिसके अनुसार दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व 10,260 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी की नजर नए उत्पादों और खंडों पर निवेश करने की ओर है, जिससे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय में वृद्धि होगी। वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है।

भारत के एक्सपोर्ट में आई तेजी, 446 अरब डॉलर के निर्यात का अनुमान

निर्यात 109.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली

भारत के व्यापारिक निर्यात में चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 124.8 बिलियन डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है। इस वृद्धि के दृष्टिकोण में इंडिया एक्जिम बैंक के अनुमानों के अनुसार, कुल व्यापारिक निर्यात 446.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। निर्यात में गैर-तेल निर्यात में तीव्र वृद्धि के साथ 109.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का व्यापार घाटा दिसंबर में घटकर 21.94 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि नवंबर में इसमें वृद्धि हुई थी। हालांकि, दिसंबर में आयात में गिरावट आई। इसके बावजूद, व्यापार नीति की अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव के चलते चुनौतियाँ बनी रही हैं। सालाना आधार पर दिसंबर के दौरान व्यापार घाटा बढ़ा, लेकिन निर्यात में कुछ मामूली गिरावट आई। यह स्थिति व्यापारिक निर्यात को गुजरने वाले समय में वृद्धि की संभावना को दर्शाती है। नए अनुमान स्थिर सुधार की दिशा में हैं, जो कि मजबूत विनिर्माण गतिविधि और मांग में वृद्धि के साथ समर्थित होने का संकेत देते हैं। व्यापार नीति की अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक विखंडन जैसी चुनौतियों के बावजूद, निर्यात में सकारात्मक गति अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जारी रहने की संभावना है. नवीनतम अनुमान स्थिर सुधार का संकेत देते हैं, जो कि मजबूत विनिर्माण गतिविधि, लचीले कृषि निर्यात और वैश्विक मांग में सुधार द्वारा समर्थित हैं। इस बीच, भारत का व्यापार घाटा दिसंबर में घटकर 21.94 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 32.84 बिलियन डॉलर था, क्योंकि मासिक आधार पर निर्यात में वृद्धि हुई, जबकि आयात में गिरावट आई. दिसंबर में व्यापारिक निर्यात बढ़कर 38.01 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि नवंबर में यह 32.11 बिलियन डॉलर था, जबकि आयात घटकर 59.95 बिलियन डॉलर रह गया, जो नवंबर में 64.95 बिलियन डॉलर था। हालांकि, सालाना आधार पर दिसंबर के दौरान व्यापार घाटा बढ़ गया, जबकि दिसंबर 2023 में यह 18.76 बिलियन डॉलर था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.6 बिलियन डॉलर तक बढ़ा, भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है

नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार ने 7 फरवरी तक 7.6 बिलियन डॉलर बढ़कर 638 डॉलर बिलियन हो गया। यह तीसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। पिछले साल सितंबर में भारत का उच्च स्तर 704.885 अरब डॉलर था। 2023 में वृद्धि के साथ भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 58 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली। स्वर्ण भंडार में भी 1.3 बिलियन डॉलर की वृद्धि के साथ 72.20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ पर्याप्त वृद्धि देखी गई। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है, जो दुनिया के सबसे बड़े सोने के खरीदारों में दूसरे स्थान पर है। आरबीआई ने नीतिगत कदम के रूप में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी कर 6.25 फीसदी करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करके रुपये में अस्थिरता को प्रबंधित कर रहा है, खासकर जब विदेशी निवेशक शेयर बेचकर निकासी करते हैं। ग्लोबल अर्थव्यवस्था के साथ समर्थनात्मक स्थिति के साथ, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार और स्वर्ण भंडार देश के अर्थों में सुधार का संकेत दे रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने नवंबर 2024 में अतिरिक्त 8 टन सोना हासिल किया, जिससे महीने के दौरान वैश्विक केंद्रीय बैंक खरीद 53 टन हो गई। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है, जो पोलैंड के बाद 2024 में दूसरे सबसे बड़े खरीदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करता है। एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम में आरबीआई ने नवीनतम मौद्रिक नीति समिति की बैठक के दौरान रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी कर 6.25 फीसदी करने का निर्णय लिया, पांच वर्षों में पहली बार दर में कटौती। केंद्रीय बैंक रुपये में अस्थिरता को प्रबंधित करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है, खासकर जब विदेशी निवेशक शेयर बाजार से शेयर बेचकर निकासी करते हैं।

बजट में मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद कीमत 32 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली

बजट में मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद इसकी मांग तेजी से बढ़ी है, इससे मखाने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। बीते 10 दिनों में मखाने के दाम करीब 32 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस दौरान मखाने की कीमत 950 प्रति किलो से बढ़कर 1,250 प्रति किलो हो गए हैं। व्यापारियों के मुताबिक देश और विदेश में मखाने की बढ़ती मांग के चलते यह बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि भारत के कुल मखाना उत्पादन का 90 प्रतिशत बिहार में होता है और सरकार का लक्ष्य इसके उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा देना है।

बजट के बाद से मखाने की मांग में काफी तेजी आई है। यूके, सिंगापुर, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से भी ऑर्डर आ रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार देश के दक्षिणी राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे कम खपत वाले बाजारों में भी मखाने की मांग बढ़ने लगी है। बिहार के एक मखाना पैकर और होलसेलर ने कहा, हमें अभी-अभी सिंगापुर के एक खरीदार से 900 किलो भुने हुए मखाने का ऑर्डर मिला है। मांग में अचानक आई तेजी से मखाने की कीमतें बढ़ी हैं। मोदी सरकार के आम बजट के बाद से मखाने को लेकर काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि वित्त मंत्री ने बजट में मखाने पर विशेष ध्यान दिया है। बिहार के मखाना व्यापारियों को उम्मीद है कि जिस तरह 2023 और 2024 में मिलेट्स की धूम रही, ठीक उसी तरह 2025 मखाने का साल होगा। बिहार के दस जिले देश के कुल मखाना उत्पादन का 90 प्रतिशत से अधिक उत्पादन करते हैं। भारत में हर साल करीब 10,000 टन मखाना पैदा होता है। एक अन्य कारोबारी ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में कई विदेशी ग्राहकों ने मखाने के बारे में पूछताछ की है। उन्होंने कहा, हमें यूके से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। बजट के बाद अंतरराष्ट्रीय समाचार माध्यमों ने भी मखाने पर काफी ध्यान दिया है। इससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों के बीच भी मखाने को लेकर चर्चा बढ़ी है। व्यापारियों का कहना है कि मखाने की अगली फसल जुलाई में आएगी, इसके पहले कीमतों में गिरावट की संभावना नहीं है।

अमेरिकी बाजार में बिकेगा बिहार के प्रसिद्ध डेयरी ब्रांड सुधा का घी

बिहार के प्रसिद्ध डेयरी ब्रांड सुधा के प्रोडक्ट अब अमेरिका तक पहुंचने वाले है। बिहार राज्य दुग्ध सहकारी संघ लिमिटेड (कॉम्फेड) ने अपने घी को अमेरिका के बाजार में लांच करने की तैयारी की है। इसके साथ ही गुलाब जामुन, सोनपापड़ी और बालूशाही का भी निर्यात होगा। यदि सब कुछ प्लान के अनुसार होने पर मार्च के अंत तक इन बिहारी उत्पादों अमेरिकी बाजार में उपलब्ध करा दिया जाएगा। अमेरिका भेजने के लिए सभी उत्पादों को नालंदा, बरौनी और सीतामढ़ी के सुधा डेयरी प्लांट में तैयार किया जाएगा। नालंदा प्लांट से घी, बरौनी प्लांट से गुलाब जामुन, और सीतामढ़ी प्लांट से सोनपापड़ी के साथ बालूशाही भेजी जाएंगी। यह जानकारी पशु और मत्स्य संसाधन विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ.एन विजयलक्ष्मी ने दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका को खाद्य पदार्थों के निर्यात से पहले कई मानकों पर उत्पाद का परीक्षण होता है। सुधा उत्पादों के निर्यात सर्टिफिकेट के लिए एक्सपोर्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (इसीआइ) को आवेदन दिया है।

गौतम अडानी की संपत्ति में बड़ी गिरावट दुनिया के अमीरों की सूची में 23वें स्थान पर

मुंबई

देश के प्रमुख रईसों में से एक अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, उनकी नेटवर्थ 2.73 अरब डॉलर घटकर 66.1 अरब डॉलर रह गई है। इसके चलते वे दुनिया के अमीरों की सूची में 23वें स्थान पर खिसक गए हैं। अडानी के साथ ही भारतीय रईसों की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिल रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी 4.55 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इससे एशिया के सबसे बड़े रईस के स्थान पर सवाल खड़े हैं। भारतीय रईसों के बीच संपत्ति में गिरावट के कारण घरेलू शेयर बाजार में लगातार गिरावट आ रही है। इससे नामी उद्योगपतियों जैसे शिव नाडर, शापूरजी मिस्त्री, अजीम प्रेमजी, सावित्री जिंदल और दिलीप सांघवी की नेटवर्थ में भी गिरावट देखने को मिल रही है।

विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति एलेन मस्क की नेटवर्थ में भी गिरावट दर्ज की गई है, जबकि मार्क जुकरबर्ग सबसे अच्छे कमाई वाले रईस बने हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 4.55 अरब डॉलर की गिरावट आई है। वह 86.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर बने हुए हैं। एचसीएल के शिव नाडर ने इस साल 4.14 अरब डॉलर, शापूरजी मिस्त्री ने 2.18 अरब डॉलर, अजीम प्रेमजी ने 18.8 करोड़ डॉलर, सावित्री जिंदल ने 5.20 अरब डॉलर और सन फार्मा के दिलीप सांघवी ने 3.40 अरब डॉलर गंवाए हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने के मामले में एलन मस्क पहले नंबर पर हैं जबकि सबसे ज्यादा कमाई करने में मार्क जुकरबर्ग सबसे आगे हैं। दुनिया के सबसे बड़े रईस मस्क की नेटवर्थ में इस साल 34.1 अरब डॉलर गंवाए हैं। अब उनकी नेटवर्थ 398 अरब डॉलर रह गई है। दूसरी तरफ फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ जुकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल 52 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 259 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में मस्क के बाद दूसरे नंबर पर हैं।

विदेशों में दाम चढ़ने से बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट रही

नई दिल्ली

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाने के तेल महंगे होने तथा देश में आयात शुल्क पुनर्निर्धारित करने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। निर्यात में सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) का दाम कम मिलने के बीच सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट देखने को मिली। बाजार सूत्रों ने कहा कि इन सबके अलावा समीक्षाधीन सप्ताह के अंत में खाद्य तेलों के आयात शुल्क मूल्य में फेरबदल करते हुए सोयाबीन डीगम तेल का आयात शुल्क मूल्य 88 रुपये क्विंटल घटाया गया है, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) का आयात शुल्क मूल्य पांच रुपये क्विंटल बढ़ाया गया है। पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य को 19 रुपये क्विंटल घटाया गया है। विदेशों में पिछले महीने जिस सोयाबीन डीगम तेल का दाम 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन था वह समीक्षाधीन सप्ताह में बढ़कर 1,175-1,180 डॉलर प्रति टन हो गया। इस दौरान, 1,170-1,175 डॉलर वाले सीपीओ का दाम बढ़कर 1,180-1,185 डॉलर प्रति टन हो गया। यानी सीपीओ और सोयाबीन डीगम के दाम का जो अंतर पहले अधिक था, वह अंतर अब लगभग बराबर हो चला है। सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में एक मात्र सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट रही। यह गिरावट मुख्यत: निर्यात में अच्छा दाम नहीं मिलने की वजह से है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 6,125-6,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,295-2,395 रुपये और 2,295-2,420 रुपये टिन (15 किलो) पर, सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,275-4,325 रुपये और 3,975-4,075 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 300 रुपये, 250 रुपये और 400 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 14,000 रुपये, 13,650 रुपये और 10,000 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तिलहन का भाव 200 रुपये की तेजी के साथ 5,475-5,800 रुपये क्विंटल पर, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश: 150 रुपये और 30 रुपये के सुधार के साथ 14,200 रुपये और 2,165-2,465 रुपये प्रति टिन, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 200 रुपये सुधरकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल और पामोलीन दिल्ली का भाव 350 रुपये मजबूत होकर 14,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 250 रुपये बढ़कर 13,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मजबूती के आम रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 150 रुपये की तेजी के साथ 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियस को 2 विकेट से हराया

वडोदरा

वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियस को आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हरा दिया है। इस मैच में मुंबई ने पहले खेलते हुए 164 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली ने आखिरी गेंद पर दो रन भागते हुए जीत सुनिश्चित की।

वड़ोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 164 रन का स्कोर खड़ा किया।

मुंबई के लिए नैट साइवर ब्रंट ने नाबाद 80 रन की पारी खेली और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 42 रनों का योगदान दिया। जबकि मुंबई के आठ बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। दिल्ली के लिए एना सदरलैंड ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए और शिखा पांडे ने भी दो विकेट लिए। जबकि मिन्नु मनी और एलिस कैप्सी को एक-एक सफलता मिली।

165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत काफी अच्छी रही। कप्तान मेग लैनिंग और शफाली वर्मा ने पावरप्ले में ही टीम का स्कोर 60 के पार पहुंचा दिया।

लैनिंग 15 रन बनाकर आउट हो गईं। जबकि शफाली ने 18 गेंद में 43 रन की पारी खेली। मिडिल ओवरों में दिल्ली जब जीत से दूर होती दिख रही थी तब निकी प्रसाद ने 35 रन की धीमी लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेल टीम को जीत के करीब ले जाने का काम किया।

आखिरी ओवर में दिल्ली को जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी और तीन विकेट हाथ में था। हालांकि 20वें ओवर की पहली गेंद पर चौखा मारकर निकी प्रसाद ने टीम पर से दबाव कम किया।

फिर अगली गेंद पर दो रन लिया। इसके बाद तीसरी और चौथी गेंद पर क्रमशः एक-एक रन मिला। इस तरह जीत के लिए दो गेंद पर दो रन जरूरत थी। तभी पांचवी गेंद पर निकी आउट हो गई।

तब एक बार फिर गेम में मुंबई को आस बधी। लेकिन अरुंधती रेड्डी ने आखिरी गेंद पर दो रन दौड़ कर दिल्ली की जीत सुनिश्चित कर दी।

न्यूज ब्रीफ

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत पर हावी रही है पाकिस्तान टीम

मुम्बई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में सभी को भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को होने वाले अहम मुकाबले का इंतजार है। दोनो ही टीमों को इसमें जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। अभी दोनो ही टीमें अच्छे फॉर्म में हैं। ऐसे में इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम हमेशा ही आईसीसी टूर्नामेंटों में हावी रही है और वह केवल एक बार ही हारी है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की टीम को अधिक सफलता मिली है। उसने भारतीय टीम को 3 बार हराया है. ऐसे में टीम इंडिया को उसके खिलाफ मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक 5 मुकाबले हुए हैं। इनमें से भारतीय टीम दो ही जीत पायी है। वहीं पाकिस्तान ने ने तीन मैच जीते हैं। इसके अलावा उसने पिछली बार फखर जमां के शतक से 2017 में खेले गये इस टूर्नामेंट में खिताब भी जीता था। दोनों ही टीमों में उस समय के आधे खिलाड़ी अब भी हैं। ऐसे में भारतीय टीम इस बार उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार 1998 में आयोजित हुई पर भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 2004 में हुआ। इंग्लैंड में खेली गई चौथी चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें पहली बार टकरायीं। तब पाकिस्तान ने यह मुकाबला 3 विकेट से जीता। इसके बाद 2009 में भी पाक ने भारतीय टीम को 54 रन से हराया। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को पाकिस्तान पर पहली जीत साल 2013 में मिली। तब भारतीय टीम ने बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले को 8 विकेट से जीता। उस मै खेले रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा अब भी भारतीय टीम में शामिल हैं। साल 2017 में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाक के बीच दो बार मुकाबला हुआ। तब भारतीय टीम ने ग्रुप मैच में पाकिस्तान को 124 रन से हराया पर फाइनल में पाक टीम को जीत मिली। पाकिस्तान ने फाइनल में भारतीय टीम को 180 रनों से हराया था।

राजस्थान के दीपक को एलएलसी लीग के लिए कानपुर चीफ टीम ने 42.50 लाख रुपये में खरीदा

जोधपुर। राजस्थान के दीपक गौड़ को लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में शामिल किया गया है। दीपक

को उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली इस लीग के लिए कानपुर चीफ टीम ने 42.50 लाख रुपये में खरीदा है। दीपक के चयन से उनके क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुरेश रैना कानपुर चीफ टीम के मेंटर होंगे जिनके अनुभवों का लाभी टीम को मिलेगा। दीपक जोधपुर की कॉल्विन शील्ड टीम से खेलते हैं और अंडर-19 जोधपुर टीम के कप्तान भी रहे हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली और रणजी ट्रॉफी के कैंप में भी शामिल रहे हैं। आईपीएल में वह राजस्थान रॉयल्स के नेट गेंदबाज रहे हैं। अब देखना है कि दीपक इस लीग में कैसा प्रदर्शन करते हैं। दीपक गौड़ ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता देवीलाल गौड़ को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया. उनके चयन पर शास्त्री सोहनलाल गौड़, गौड़ ब्राह्मण समाज महाराष्ट्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशन गौड़, डॉ. अशोक गौड़, एडवोकेट गोविंद गौड़, डॉ. नमन गौड़, सरपंच महिपाल भडियार, अनिल गौड़, सुनील गौड़ और वाईकिंग एकेडमी के कोच विक्रम सिंह राजावत ने शुभकामनाएं दीं।

मुंबई इंडियंस ने चोटिल गजनफर की जगह मुजीब को टीम में किया शामिल

मुम्बई। पांच बार की चैंपियन मुम्बई इंडियंस ने अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान को टीम में शामिल करने की घोषणा है। मुजीब को हमवतन अल्लाह गजनफर के रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में जगह दी गई है। गजनफर चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से बाहर हो गए हैं। आईपीएल मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने गजनफर को 4.80 करोड़ रुपये में खरीदा था।

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 3-2 से हराया

भुवनेश्वर

भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां के कलिंगा स्टेडियम में हुए एफआईएच प्रो लीग के अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड टीम को 3-2 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से वैष्णवी फाल्के और दीपिका ने पहला और दूसरा गोल किया जबकि नवनीत कौर ने तीसरा गोल किया। इस मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही दबाव बनाया। छठे मिनट में वैष्णवी ने पेनाल्टी कार्नर पर पहला गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी जबकि दीपिका ने 25 वें मिनट में दूसरा गोल किया। वहीं नवनीत कौर ने मैच समाप्ति होने के एक मिनट पहले गोल कर टीम को जीत दिला दी।

दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से डार्सी बूर्ने ने 12वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि फियोन क्रेकल्स ने 58वें मिनट में एक गोल कर मैच बराबरी पर ला दिया। ब्रेक के बाद भारतीय टीम ने अंतिम सत्र में तेजी से हमले किये। तीसरे क्वार्टर में मिडफील्ड में ही खेल होता रहा पर अंतिम 15 मिनट में इंग्लैंड ने अच्छा खेल दिखाया। इंग्लैंड की फियोना ने मैच समाप्त होने के दो मिनट बाकी रहते गोल करके स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था कि नवनीत ने तीसरा गोल कर भारतीय टीम को जीत दिला दी।

नीदरलैंड महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 मैचों के लिए भुवनेश्वर पहुंची

भुवनेश्वर। चैंपियन नीदरलैंड महिला हॉकी टीम भारत में अपने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 मैचों से पहले रविवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। वर्तमान में चार मैचों में नौ अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर चल रही नीदरलैंड टीम अपने पहले मैच में 21 फरवरी को प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगी। भारत आने पर नीदरलैंड की कप्तान पिएन सैंडर्स ने कहा कि हम यहां आकर रोमांचित हैं, क्योंकि यहां का माहौल हमेशा शानदार रहता है और हम आगे के मैचों के लिए वास्तव में उत्सुक हैं। हमारा लक्ष्य खिताब की रक्षा करना है और भारत में होने वाले चार मैचों के लिए सभी 12 अंक सुरक्षित करना है। आगे की ओर देखते हुए, मेरा मानना है कि भारतीय टीम हमारी सबसे कठिन चुनौती होगी, खासकर जब घरेलू दर्शक उनका पूरा समर्थन करेंगे।

पूर्व क्रिकेटर बोला, ऑलराउंडर अशरफ के चयन से नाराज हैं कप्तान

लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान के मना करने के बाद भी जिस प्रकार चयनसमिति ने ऑलराउंडर फहीम अशरफ को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शामिल किया है।

उससे रिजवान नाराज हैं, बासित ने कहा कि इस प्रकार चयनसमिति और कप्तान के बीच मतभेद होने का नुकसान टीम को हो सकता है। इस बात के सामने आने के बाद से ही पाक क्रिकेट में व्याप्त मतभेद सामने आ गये हैं। बासित ने कहा कि एक कप्तान तब गेंदबाज को नहीं बदलता जब वह अपने स्पेल में कम रन दे रहा हो। उन्होंने कहा कि फहीम के चयन से रिजवान नाराज हैं।

इसी कारण दो ओवर में केवल नौ रन देने के बाद रिजवान ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्राई सीरीज के फाइनल में बदल दिया था। इस मैच में पाक टीम ने अपने तेज गेंदबाजों शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के साथ गेंदबाजी शुरु की। वहीं अशरफ को पहले बदलाव के रूप में लाया गया जहां उन्होंने दो ओवर में ही नौ रन दिए।

इसके बाद भी उन्हें गेंदबाजी नहीं दी गयी। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मैच से पहले अशरफ ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में खेला था। इस क्रिकेटर ने इससे पहले सितंबर 2024 में एशिया कप में ही भारत के खिलाफ था। फिर भी अशरफ को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाक टीम में शामिल किया गया। इस चयन पर तमाम पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं।

वहीं पूर्व कप्तान और दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने चयनकर्ताओं की आलोचना करते हुए कहा कि टीम में काफी ऑलराउंडर रखे ये हैं जबकि टीम को अधिक स्पिनरों की जरूरत थी। भारतीय टीम ने 4 स्पिनर रखे हैं पर पाक ने केवल एक स्पिनर ही शामिल किया है।

अस्ट्रिया में अल्पाइन स्कीइंग

अस्ट्रिया में अल्पाइन स्कीइंग मुकाबले में जीत के बाद खुशी मनाती हुई स्विटजरलैंड की कैमिल सहिल अन्य दूसरे और तीसरे स्थान पर रही खिलाड़ी।

खेलो इंडिया महिला फुटबाल लीग में मेथोडिस्ट ने 7-0 से जीता मैच

मुरादाबाद

अस्मिता खेलो इंडिया व भारतीय खेल प्राधिकरण के समन्वय से यूपी फुटबाल संघ द्वारा आयोजित महिला फुटबाल लीग में रविवार को दो मुकाबले हुए। पहले मैच में मेथोडिस्ट की टीम ने सर सैय्यद एकेडमी के खिलाफ 7-0 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच जिला फुटबाल एसोसिएशन व दिल्ली पब्लिक ग्लोबल स्कूल की टीम के बीच ड्रॉ रहा।

पंडित नगला स्थित दिल्ली पब्लिक ग्लोबल स्कूल के मैदान पर आयोजित अंडर-15 आयु वर्ग की लीग में पहले मैच के पहले हॉफ में मैथोडिस्ट सर सैय्यद एकेडमी पर हावी दिखी। ऐश्वर्या ने एक के बाद एक लगातार 4 गोल किए और स्कोर 4-0 हो गया। दूसरे हॉफ में ऐश्वर्या ने 2 और गोल दागे।

सर सैय्यद की खिलाड़ी मेथोडिस्ट की रक्षा पंक्ति को भेदने में लगातार असफल होते रहे। अंतिम मिनट में मेथोडिस्ट विशी ने एक गोल दागकर स्कोर 7-0 कर दिया। बड़ी जीत के बाद मेथोडिस्ट के खिलाड़ियों ने मैदान पर जश्न मनाया।

दूसरे मैच में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। जेडएफए की मध्य पंक्ति को फलक व फॉरवर्ड पोजिशन पर खेल रहीं वर्षा ने अच्छे मूव बनाए।

इसके बावजूद गोल करने में कामयाबी नहीं मिली। दूसरी ओर डीपीजीएस की खिलाड़ी भी जेडएफए की रक्षा पंक्ति को नहीं भेद पाई। इस तरह यह मैच 0-0 से ड्रॉ रहा। मुकाबलों के दौरान निर्णायक की भूमिका में नासिर कमाल, माधुरी देवी, निशिता, रेनू काम्बुज, राजकुमारी व मोहम्मद फरमान रहे।

गंभीर के बाद अश्विन ने भी सुपरस्टार संस्कृति की आलोचना की पैर जमीन पर ही बने रहें

चेन्नई

मुख्य कोच गौतम गंभीर के बाद अब हाल में खेल से संन्यास लेने वाले अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने भी टीम में स्टार संस्कृति शुरु होने की आलोचना की है। अश्विन ने कहा है कि हम क्रिकेटर हैं, कोई एक्टर या सुपरस्टार नहीं है। हसलिए भारतीय टीम में सुपरस्टार संस्कृति के लिए कोई जगह नहीं है। इसके साथ ही क्रिकेटरों को चीजों को सामान्य रखना होगा जिससे उनके पैर जमीन पर ही बने रहें। अश्विन ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों के शतक को सामान्य शतक की तरह लेना चाहिये क्योंकि वे अपने कैरियर में पहले ही बहुत कुछ हासिल कर चुके हैं।

अश्विन ने कहा कि भारतीय क्रिकेट में चीजों को सामान्य रखने की जरूरत है। हमें इस सुपरस्टार संस्कृति और सुपर सेलिब्रिटी कल्चर से बचना होगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में चीजों को सामान्य बनाये रखने की जरूरत है। हम क्रिकेटर हैं और हमें ऐसे रहना होगा कि आम आदमी हमारे करीब आकर हमसे बात के साथ ही तुलना भी कर सके। गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम में सुपरस्टार संस्कृति की आलोचना की थी। अश्विन ने कहा कि अगर आप रोहित ओर विराट ने कैरियर में काफी कुछ हासिल कर लिया है। इसलिए अब शतक नहीं जीत उनके लिए उपलब्धि है।

श्रेयंका डब्ल्यूपीएल से बाहर हुई

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की श्रेयंका पाटिल फिट नहीं होने के कारण महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के तीसरे सत्र से बाहर हो गयी हैं। आरसीबी के अनुसार श्रेयंका अपनी चोट से नहीं उबर पायी हैं। इसी कारण उनकी जगह पर ऑलराउंडर स्नेह राणा को शामिल किया गया है। फ्रेंचाइजी ने उनके बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा कि ये खिलाड़ी अपनी पिंडली की चोट से परेशान हैं जिसका वह अभी इलाज करायेंगी। श्रेयंका ने आरसीबी की ओर से पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 8 मैचों में 13 विकेट लिए थे। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। लीग में श्रेयंका के अलावा आशा शोभना और सोफी मोलिनक्स की चोटिल होकर बाहर हो गयी हैं। श्रेयंका की जगह पर शामिल राणा ने गुजरात जायंट्स के लिए डब्ल्यूपीएल के दो सत्रों के 12 मैचों में भाग लिया है। उसने दो मैचों में टीम की कप्तानी भी की थी।

भोजन के बाद क्यों खाते हैं सौंफ, पान

स्वस्थ शरीर के लिए पाचन का सही होना जरूरी है। यदि पाचन तंत्र में कोई गड़बड़ी होती है तो शरीर में कई तरह की समस्याएं सामने आती हैं। मसलन गैस्ट्रिक, एसिडिटी, कब्ज, डायरिया, अपच, बदहजीम आदि। कुछ घरेलु नुस्खों को अपनाकर पेट को गैस और अपच से छुटकारा दिला सकते हैं। खाना खाने के बाद कुछ चीजों के सेवन से पाचन में काफी सहायता मिलती है। साथ ही, ये माउथ फ्रेशनर का भी काम करता है।

- एक कप पानी में सौंफ, इलायची और अदरक व एक चुटकी हींग अच्छी तरह से मिक्स करें। पेट में गैस बनने से रोकने के लिए हर बार खाना खाने के बाद एक टुकड़ा अदरक चबाना न भूलें।
- कब्ज की समस्या होने पर सौंफ का सेवन करें। सौंफ का सेवन पाचन और कब्ज से निजात दिलाने में काफी मददगार है।
- अगर आपके मुंह से हमेशा बदबू आती रहती है तो आप इलायची का ज्यादा इस्तेमाल करें। इलायची मुंह की बदबू हटाने में सबसे कारगर साबित होती है और इलायची व पुदीनायुक्त पान चबाने से भी मुंह की बदबू से निजात मिलती है।
- खाना खाने के बाद इलायची का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व खाने को पचाने में मदद करते हैं। साथ ही इसके रासायनिक गुण की वजह अंदरुनी जलन में भी राहत मिलती है। अगर आपको लगातार उल्टी जैसा महसूस हो रहा हो तो भी आप छोटी इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- इलायची के रासायनिक गुण शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल और दूसरे विषैले तत्वों को दूर करने का भी काम करता है। इससे रक्त भी साफ होता है।
- कफ की समस्या होने पर अदरक युक्त चाय पिएं। इसका सेवन करने से ठंड की वजह से गले में खराश और कफ की समस्या से निजात मिलती है। मधु के साथ अदरक के छोटे टुकड़े को चबाकर भी इसमें आराम मिलता है।
- पान कई बीमारियों का नाश करता है। यदि आप केवल पान के पत्ते का इस्तेमाल करते है तो यह काफी लाभकारी हो सकता है। इसे खानें से गंभीर से गंभीर बीमारियों से निजात मिल सकता है। इसमें कई तरह के एंटीसेप्टिक गुण छिपे हैं।
- पान के पत्ता का वैसे माउथ फेशनर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसे चबाने से हमारें लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। जब हम इसे चबा कर खाते है तब हमारी लार ग्रंथि पर असर पड़ता है। इससे सलाइव लार बनने में मदद मिलती है। जो हमारी पाचन तंत्र के लिए बहुत ही जरुरी है। अगर आपने भारी भोजन भी कर दिया है उसके बाद आप पान खा लें। इससे आपको भोजन आसानी से पच जाएगा।
- पान के पत्तों में कई ऐसे यौगिक होते हैं जो सांसों में बदबू को खत्म करता है। इसके अलावा पान में लौंग, सौंफ, इलायची जैसे विभिन्न मसाले मिलने से ये एक बेहतरीन माउथ-फ्रेशर भी बन जाता है।
- अगर आपको मसूड़ों में गांठ, सूजन जा फिर खून आ रहा हो तो इसके लिए पान के पत्तों को पानी में उबालकर उन्हें मैश कर लें। इन्हें मसूड़ों पर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- पान के पत्ते के रस को गैस्ट्रोप्रोटेक्टिव गतिविधी के लिए भी जाना जाता है जिससे गैस्ट्रिक अल्सर को रोकने में मदद मिलती है।
- इसका आयुर्वेद में बाल तोड़ फोड़े-फुंसी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पान के पत्ते गरम करके उसमें आरंडी का तेल लगाकर फोड़े पर लगाने से आराम मिलता है।
- पान के पत्ते के डंठल को आरंडी के तेल में मिलाकर खाने से कब्ज से राहत पाई जा सकती है। इसके अलावा पान के पत्ते के साथ फ्लैक्सीड, त्रिफला और नींबू के सेवन से भी कब्ज का इलाज किया जा सकता है।

पेनकिलर है हानिकारक

जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर आते हैं जब हमें पेनकिलर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। विशेषत आस्टियो-आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाओं का सेवन करने की आदत हो जाती है। ऐसे मरीजों को यदि हृदय रोग भी हो तो ये दवाएं उनके लिए बहुत खतरनाक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त अधिक मात्रा में या पेनकिलर का अधिक सेवन हमारे गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर सकता है।

दिल की हिफाजत के लिए पैदल चलें

आपने बुजुर्गों को अकसर यह कहते सुना होगा कि पैदल चलना सेहत के लिए अच्छा है। अब तो विज्ञान ने भी इसे सच साबित कर दिया है। शोधकर्ताओं के अनुसार भारतीय जीवनशैली में आने वाले बदलाव की वजह से अगले दो दशकों में यहां हृदय रोग के बढ़ने की आशंका है। इस नतीजे पर पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने लगभग चार हजार प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

एलर्जी के कितने रूप

एलर्जी तब होती है, जब शरीर किसी पदार्थ के प्रति प्रतिक्रिया करता है। एलर्जी को हल्के में लेना सेहत के लिए भारी पड़ सकता है, लेकिन कुछ सजगताएं बरतकर एलर्जी से बचा जा सकता है। फिर भी अगर कोई शख्स एलर्जी से ग्रस्त हो ही गया, तो उसका इलाज संभव है ...

देश में लगभग 25 फीसदी जनसंख्या एक या एक से अधिक एलर्जी से संबंधित रोगों से ग्रस्त है। वे पदार्थ जिनके कारण शरीर में प्रतिक्रिया होती है, एलर्जन कहलाते हैं। एलर्जी के विभिन्न प्रकार होते हैं। एटॉपिक डर्मेटाइटिस यह भी एलर्जी का एक प्रकार है, जिसमें त्वचा में सूजन आ जाती है। यह समस्या उन लोगों में ज्यादा पाई जाती है, जिनके परिवार के अन्य सदस्यों में भी एलर्जी के लक्षण पाए जाते हैं।

खाद्य पदार्थों से होने वाली एलर्जी

इस तरह की एलर्जी में हमारे शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) भोजन में शामिल किसी खास प्रोटीन के प्रति अतिसंवेदनशीलता प्रकट करता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की थोड़ी-सी मात्रा खाने से एलर्जी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। कुछ खास खाद्य एलर्जन्स में दूध, अंडे, मछली और अन्य मांसाहारी भोजन, सोया, प्रिजर्वेटिव्स, फास्टफूड्स और गेहूं भी शामिल हैं। फूड इनटॉलरेन्स और फूड एलर्जी में एक खास अंतर यह होता है कि एलर्जी में प्रतिरक्षा तंत्र एक अनावश्यक प्रतिक्रिया प्रकट करता है, जो उस खाद्य पदार्थ में शामिल किसी खास प्रोटीन के कारण होता है। दूसरी ओर फूड इनटॉलरेन्स किसी पाचक एन्जाइम की कमी के कारण होता है।

लेटेक्स एलर्जी

लेटेक्स रबर के पौधे से स्रावित दूध जैसा दिखने वाला चिपचिपा द्रव होता है, जिसमें कुछ रसायन मिलाकर रबर का निर्माण किया जाता है। इसका इस्तेमाल दस्ताने, गुब्बारे, रबर बैन्ड, इरेजर व खेल के सामान बनाने में किया जाता है। इस तरह की एलर्जी उन लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है, जो लेटेक्स की बनी चीजें ज्यादा उपयोग में लाते हैं। उदाहरण के तौर पर डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों को संक्रमण से बचाव के लिए लेटेक्स से बने दस्ताने पहनने होते हैं।

ऐसे लोगों में यह एलर्जी ज्यादा देखी गई है। लेटेक्स एलर्जी से पीड़ित 50 फीसदी लोगों में अन्य तरह की एलर्जी भी देखी गयी है। ऐसे लोगों में खाद्य एलर्जी भी तुलनात्मक रूप से ज्यादा होती है। परफ्यूम, इत्र और रसायन कुछ लोगों को सुगंधित स्प्रे, इत्र, व रसायनों से भी विभिन्न प्रकार की एलर्जी हो जाती है।

खिलौनों से एलर्जी- विशेषतः सॉफ्ट टॉयज और फर वाले टेडी बियर से बच्चों में त्वचा की एलर्जी व दमा की शिकायत हो जाती है।

त्वचा की एलर्जी के मुख्य लक्षण

- त्वचा पर खुजली होना।
- बार-बार त्वचा का संक्रमण।
- शरीर के जोड़ों वाले भागों पर ज्यादा असर होना।
- रोग का पारिवारिक इतिहास।
- त्वचा पर पपड़ी का जमना।
- मुंह के कोनों का फटना।
- हाथ या पैर में खुजली होना।

दवाओं से एलर्जी

दवाओं से एलर्जी के प्रभाव का दायरा काफी बड़ा है। हर व्यक्ति के शरीर पर इसके अलग-अलग असर देखने को मिल सकते हैं। किसी व्यक्ति के शरीर पर चकत्ते और खुजली हो सकती है, वहीं दूसरे को कोई दिक्कत न हो ऐसा भी संभव है। इस तरह की एलर्जी कुल होने वाली एलर्जी का 5 से 10 फीसदी होती है। कुछ दवाओं के प्रति एलर्जी ज्यादा देखी जाती है।

एंटीबॉयोटिक्स में जैसे पेंसिलीन, दर्द निवारक दवाएं, मिर्गी के दौरों की दवाएं और कीमोथेरेपी (कैंसर की दवाएं)। दवाओं से होने वाली गंभीर प्रकार की एलर्जी के लक्षणों में उल्टी से लेकर बालों का झड़ना, पेट खराब होना और दस्त आदि शामिल हैं। कई बार ब्लड प्रेशर के इलाज में दी जाने वाली कुछ दवाओं के एंजाइम से खांसी, चेहरे और जीभ में सूजन जैसे लक्षण प्रकट हो जाते हैं।

डायग्नोसिस

त्वचा परीक्षण: ये परीक्षण एलर्जी उत्पन्न करने वाले पदार्थ की पहचान के लिए किए जाते हैं।

रक्त परीक्षण: रक्त में विशिष्ट एंटीबॉडी से संबंधित परीक्षण किया जाता है।

इनविट्रो परीक्षण: फूड एलर्जी की संभावना का पता करने के लिए किया जाता है।

कीटों के डंक से एलर्जी हममें से अनेक लोग मधुमक्खियों और बर्र के डंक की पीड़ा बर्दाश्त कर चुके हैं और तब आपको यह भी ध्यान जरूर होगा कि उस जगह पर किस तरह से तीखी पीड़ा के साथ लालिमा और सूजन आ जाती थी। जो लोग इस तरह की एलर्जी से पीड़ित होते हैं, उनमें यह स्थिति और ज्यादा गंभीर हो जाती है। अन्य गंभीर लक्षणों में चेहरे, गले और जीभ पर सूजन, सांस लेने में दिक्कत, शरीर में भारीपन, पेट में मरोड़, जी मिचलाना और शरीर में चकत्ते व खुजली आदि को शुमार किया जाता है। पालतू जानवरों से एलर्जी पालतू जानवरों के रोएं, रूसी, लार और पेशाब में पाए जाने वाले पदार्थ एलर्जी पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा इन जानवरों के रोएं में एकत्र होने वाले परागकण और फफूंद के बीजाणु (स्पोर्स) भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इस तरह की एलर्जी के लक्षणों में छींके आना, खुजली होना, आंखों से पानी आना और अस्थमा तक के लक्षण शामिल हैं। पालतू जानवरों की उपस्थिति अन्य किस्म की एलर्जी से पीड़ित लोगों में लक्षणों की तीव्रता बढ़ाने का कारण बन सकती है।

उपचार

एलर्जी का इलाज काफी लंबा चलता है। इसलिए रोगी को धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। डॉक्टर के परामर्श से दवाओं का सही व नियमित प्रयोग करना चाहिए। एलर्जी की समस्या में कुछ दवाएं कारगर होती हैं।

जैसे सेट्रीजीन (ब्रांड नेम नहीं बल्कि केमिकल एलीमेंट है), लीवो सेट्रीजीन, फैक्सोफेनाडीन, क्लोरफेनीरामीन और मोंटील्यूकास आदि। एलर्जी के इलाज में इम्यूनोथेरेपी का भी इस्तेमाल किया जाता है।

नीम एक लेकिन फायदे अनेक

सेहत के लिहाज से नीम एक सौगात की तरह है। इसके पत्ते और छिलकों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिनमें गंभीर बीमारियों को ठीक करने की क्षमता पाई जाती है। नीम का जूस हालांकि कड़वा होता है लेकिन इसके जूस को पीने से तन और मन दोनों तंदुरुस्त रहते हैं। नीम के सेवन के फायदों पर डालते हैं एक नजर

त्वचा के लिए फायदेमंद

नीम के पत्तों में विटामिन सी पाई जाती है। नीम के पत्तों को पीसकर शरीर पर लगाने से त्वचा से संबंधित रोग ठीक होते हैं। नीम के पत्ते त्वचा पर बने कालेधब्बों को हटाने और त्वचा को साफ रखने में फायदेमंद हैं।

अस्थमा के इलाज में कारगर

नीम की पत्तियां नियमित रूप से खाने पर अस्थमा के इलाज में मदद मिलती है। नीम की पत्तियां श्वास रोग, कफ और बलगम रोकने में सहायक हैं।

घावों को भरने में फायदेमंद

पेट की बीमारियों के लिए नीम काफी उपयोगी है। नीम पीएच स्तर को नियंत्रित करने में उपयोगी होने के साथ ही अल्सर होने से रोकता है।

मधुमेह को नियंत्रित रखने में मददगार

नीम की पत्तियां शरीर में शूगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करती हैं। नीम का उपयोग टाइप-2 मधुमेह के इलाज में किया जा सकता है। नीम एक तरीके से इंसुलिन का काम करता है।

दांतो के लिए फायदेमंद

नीम का दातुन नियमित रूप से इस्तेमाल करने से दांतो में पाए जाने वाले कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। इससे मसूड़े मजबूत, दांत चमकीले और निरोगी हो जाते हैं।

ये हैं सबसे उम्दा देश...

हाल ही में हुए एक सर्वे में दुनिया के 196 देशों में से 10 सबसे उम्दा देशों को चुना गया है। यह सर्वे गुड कंट्री इंडेक्स द्वारा कराया गया। सबसे बेहतर देश आयरलैंड को चुना गया। हैरानी की बात है कि इस सूची में भारत, चीन और यहां तक कि अमेरिका जैसे देश शामिल नहीं हैं। इन देशों को पर्यावरण और कुदरती संसाधनों को बचाने में सहयोग, विश्व शाांति बनाए रखने में योगदान, समानता, समृद्धि और साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आगे रहने के चलते 'टॉप टेन' में जगह दी गई।

फिनलैंड

उत्तरी यूरोप में स्थित इस देश को साइंस एंड टेक्नोलॉजी और समृद्धि के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। इस देश के नाम सबसे ज्यादा नोबेल प्राइज हैं। यह क्वालिटी इंटरनेशनल पब्लिकेशन और एक्सपोर्ट के लिए जाना जाता है।

स्विटजरलैंड

यह देश अपने खूबसूरत पहाड़ों, विंटर स्पोर्ट्स और मनोहारी प्राकृतिक नज़ारों के लिए जाना जाता है। यहां के लोगों का 'स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' काफी अच्छा है।

आयरलैंड इस देश को 'टॉप टेन' देशों में पहला स्थान मिला है। यह देश सभी मामलों में नंबर एक माना गया है। कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, हेल्थ, लोगों का उच्च जीवन-स्तर, यूएन की स्वैच्छिक सेवाओं में मजबूत भागीदारी को देखते हुए इसे सर्वे में पहले नंबर पर रखा गया।

नीदरलैंड: यह देश अपने 'पॉजिटिव ग्लोबल इंपैक्ट' के लिए मशहूर है। नीदरलैंड अपने कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, समानता, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर की वजह से इस सूची में है। इसी के साथ नीदरलैंड को 'फ्रीडम ऑफ मूवमेंट' और 'प्रेस फ्रीडम' के लिए भी रेट किया गया है।

न्यूजीलैंड

इस देश को पर्यावरण और साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। यहां के लोग 'इको फ्रेंडली' घरों को ही तरजीह देते हैं।

नॉर्वे

प्राकृतिक खूबसूरती और शहरों के विकास के लिए नॉर्वे को आठवें स्थान पर रखा गया है। नार्वे पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति के लिए प्रयास और लोगों के 'हाई स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' के लिए जाना जाता है।

यूनाइटेड किंगडम

क्वीन एलिजाबेथ के देश यूनाइटिड किंगडम को इस रैंक में 7वां स्थान मिला है। इस देश को समानता, समृद्धि, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर के लिए इस सूची में जगह दी गई है। इसके अलावा यह साइंस और टेक्नोलॉजी में नंबर-1 देश है।

डेनमार्क

यह खूबसूरत देश अपने कल्चर, बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं और लोगों के उच्च जीवन-स्तर के लिए जाना जाता है। डेनमार्क को फार्मास्यूटिकल एक्सपोर्ट, दूसरे देशों को खाद्यान्न में मदद और गरीब देशों को डोनेशन देने में आगे रहने के लिए इस सूची में शामिल किया गया है।

बेल्जियम

यूरोप का यह देश समानता, समृद्धि और लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अव्वल देशों में गिना जाता रहा है। इसके अलावा भी इस देश को बेहतरीन क्रिएटिव गुड्स एक्सपोर्ट, फ्रीडम ऑफ मूवमेंट और प्रेस फ्रीडम के लिए 'टॉप टेन' की सूची में शामिल किया गया है।

स्वीडन

यह देश अपने हाउसिंग स्टोर 'इकेया', स्विस चॉकलेट और वोदका के लिए मशहूर है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण में यह देश आइसलैंड और कनाडा के बाद तीसरे नंबर पर है। यह देश सीओ2 और ग्रीन हाउस गैसों के कम से कम उत्सर्जन के लिए भी जाना जाता है।

रेसिपी

हरी मटर का पराठा

कितने लोगों के लिए 8

सामग्री

3 कप आटा, 2 टे.स्पून घी, आधा टी स्पून नमक।

भरावन के लिए:

2 कप उबली हुई हरी मटर, 5 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टी स्पून जीरा, 1 टे.स्पून घी, नमक स्वादानुसार। तलने के लिए आवश्यकतानुसार घी।

विधि

भरावन तैयार करने के लिए: उबली हुई मटर को हाथ से अच्छी तरह मैश कर लें। एक पैन में घी गर्म करें जब घी गर्म हो जाए तो उसमें जीरा डाल दें। जब जीरा चटकने लगे तो हरी मिर्च, मैश की हुई मटर और नमक डालकर 1 मिनट तक भूने और मिश्रण को ठंडा होने के लिये रभ दें।

पराठे के लिए आटे को छानकर उसमें नमक और घी मिलाकर, पानी डालकर मुलायम गूंध लें। 15 मिनट तक ढ़क कर रख दें। उसके बाद आटे की लोइयां बनाकर उसमें एक-एक चम्मच भरावन की सामग्री भरकर अच्छी तरह बंद कर दें, चकले बेलन की सहायता से बेल कर गर्म तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाकर अच्छी तरह सेक लें। गर्मागर्म मटर का पराठा चटनी या अचार के साथ सर्व करें।

सेब की चटनी

कितने लोगों के लिए 10

सामग्री

500 ग्राम हरे सेब(छीलकर कटे हुए), 2 टे.सपून घी या तेल, 1-1/2 टी स्पून जीरा, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 2 टी स्पून पिसा अदरक, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/4 कप पानी, 1/2 टी स्पून दालचीनी, 1 चुटकी जायफल (पिसा हुआ), 1 कप चीनी।

विधि

तेल या घी को गर्म करके जीरे को भून लें। हरी मिर्च व अदरक पेस्ट डालकर 1 मिनट पकाएं फिर सेब और हल्दी डाल कर 2-3 मिनट तक हिलाएं। आंच धीमी कर के पानी, दालचीनी व जायफल डालें। जब तक सेब नरम न हो जाए तब तक बीच-बीच में हिलाते हुए पकाते रहें। चीनी डाल कर चटनी को तब तक पकाएं जब तक कि जैम जैसी न लगने लगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)